शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 104 | गुवाहाटी | मंगलवार, 12 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता — पेज 2
कछार में बोलेरो-ऑटोरिक्शा की टक्कर में पांच लोगों की मौत — पेज 3
कांग्रेस आदिवासियों की भावनाओं को भड़काती है, भाजपा आदिवासियों की... — पेज 5
कुमामोटो मास्टर्स जापान बैडमिंटन : सिंधु, लक्ष्य को फॉर्म हासिल करने की उम्मीद — पेज 7

जिरीबाम में 11 उग्रवादी ढेर सीआरपीएफ का एक जवान घायल

इंफाल (एजे/हि.स.)। सोमवार को मणिपुर में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में 11 से अधिक हथियारबंद लोगों के मारे जाने की खबर है। यह घटना उस वक्त हुई जब एक समूह में आए लोगों ने पुलिस स्टेशन पर हमला करने की कोशिश की। सूत्रों ने बताया कि इस हमले में एक जवान के घायल होने की भी सूचना है। पिछले साल से ही मणिपुर में छिटपुट हिंसा हो रही है। बहुसंख्यक मैतेई समुदाय और आदिवासी कुकी के बीच लगातार जारी हिंसा के बाद अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि वह कुकी को मिलने वाले सरकारी नौकरियों और शिक्षा में विशेष आर्थिक लाभ और कोटा को मैतेई लोगों तक बढ़ाने पर विचार करे। मई 2023 में लड़ाई शुरू होने के बाद से कम से कम 250 लोग मारे गए हैं और लगभग 60000 लोग विस्थापित हुए हैं। राज्य के जिरीबाम जिले के डिप्टी कमिश्नर कृष्ण कुमार ने कहा कि आज दोपहर बदमाशों ने एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। केंद्रीय सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 11 हमलावर मारे गए। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह से ही क्षेत्र में तनाव है, जब 31 वर्षीय आदिवासी महिला को जलाकर मार दिया गया था। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि इस हमले में एक सुरक्षा अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया हैं। इससे पहले मणिपुर के

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो। उन्होंने कहा कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय है और वे इससे निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। मणिपुर पुलिस के 133वें स्थापना दिवस में भाग लेने के बाद मीडिया से बात करते हुए डीजीपी राजीव सिंह ने कहा कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय है, लेकिन हम अपनी पूरी ताकत और सुरक्षा एजेंसियों सहित सभी के सहयोग से इससे निपटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समस्याएं हैं, जिन्हें हम जल्द ही सुलझा लेंगे, क्योंकि हम भी चाहते हैं कि राज्य में जल्द से जल्द शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो। अगर आप पिछले डेढ़ साल को देखें, तो हालात निश्चित रूप से सुधरे हैं। हिंसा, मौतें और घायल होने की घटनाएं कम हुई हैं। उन्होंने कहा कि आगजनी और गोलीबारी की छिटपुट घटनाएं हुई हैं, लेकिन सभी सुरक्षा बल सतर्क हैं और हर कोई यह सुनिश्चित करने में लगा हुआ है कि स्थिति और न बिगड़े। गौरतलब है कि 15 अक्तूबर को कुकी-जो-हमार, मैतेई और नागा समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों के एक समूह ने राज्य के मौजूदा हालात पर चर्चा की और राज्य के लोगों से हिंसा से दूर रहने की अपील की। उधर सशस्त्र उग्रवादियों ने इंफाल पूर्वी जिले के यिंगांगपोकोप्पी गांव में सोमवार को फिर से रॉकेट चालित ग्रेनेड (आरपीजी) से हमला किया। पहाड़ी की चोटी से आरपीजी हमले में दो किसान घायल हो गए। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार, जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले के परिधीय क्षेत्रों में हिंसा जारी है। खेतों में काम कर रहे किसानों पर उग्रवादियों के हमले का आज तीसरा दिन था। बीते रविवार को भी हथियारबंद उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटियों से तलहटी में हमला किया था। सूत्रों के मुताबिक, हमला सोमवार सुबह करीब 9:20 बजे यिंगांगपोकोप्पी के शांतिखोंगबन इलाके में हुआ। दो लोग घायल हुए हैं। वे खेत में धान काट रहे थे। तभी उग्रवादियों ने रॉकेट चालित ग्रेनेड फेंके। दोनों घायलों को यिंगांगपोकोपी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार उनके साथ तीन अन्य लोग भी खेत में धान काट रहे थे। उन तीनों की खबर अभी तक नहीं मिल पाई है। उल्लेखनीय है कि रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे सशस्त्र उग्रवादी समूहों ने इंफाल पूर्वी -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में उग्रवादियों का उभार असम में शांति के लिए बड़ा खतरा

गुवाहाटी। यद्यपि मणिपुर को छोड़कर पूर्वोत्तर में स्थिति कुल मिलाकर शांतिपूर्ण हो गई है, फिर भी पुलिस और सुरक्षा बलों को बांग्लादेश में शरण लिए इस्लामी आतंकवादी समूहों के संभावित हमलों को रोकने के लिए सतर्क रहना होगा। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि पूर्वोत्तर में पीढ़ियां हिंसा के बीच पली-बढ़ी हैं और अब जाकर इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल है। सूत्रों ने बताया कि अधिकांश उग्रवादी समूहों ने हथियार डाल दिए हैं और हालांकि यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) अभी भी राज्य के कुछ हिस्सों में सक्रिय है, लेकिन यह अब विचारधारा से प्रेरित संगठन नहीं है। हालांकि, इस क्षेत्र के लिए मुख्य खतरा बांग्लादेश की स्थिति है, जहां आवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में जीएसटी घोटाला, सरकारी कर्मचारी निलंबित

धुबड़ी। धुबड़ी में सहायक कर आयुक्त के कार्यालय में एक बड़ा घोटाला हुआ, जिसमें कोयला डिपो फर्मों से जुड़े माल और सेवा कर (जीएसटी) दस्तावेजों में हेराफेरी करने के आरोप में एक वरिष्ठ सहायक को निलंबित कर दिया गया। बताया जाता है कि फर्जी चालान और फर्जी जीएसटी दावों से जुड़ी इस योजना के कारण 2021 और 2023 के बीच असम सरकार को 6 करोड़ का नुकसान हुआ है। यह विवाद तब सामने आया -शेष पृष्ठ दो पर

बंद से डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया में जनजीवन प्रभावित

डिब्रूगढ़। असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिले में दो समुदाय के लिए एसटी की दर्जे की मांग करते हुए मोरोन और मोटोक संगठन द्वारा बुलाए गए 12 घंटे के बंद के कारण सोमवार को आम जनजीवन ठप रहा। सोमवार को इन जिलों में स्कूल, कॉलेज और कार्यालयों को बंद रखा गया। जिला प्रशासन द्वारा पूरे जिलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निशेधाज्ञा लागू करने के बावजूद हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को ब्लॉक कर दिया। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
दूध के लिए हथिनी पालने की जरुरत नहीं होती अर्थात आवश्कयता के अनुसार साधन जुटाने चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

ईसी ने चुनाव पूर्व हिंसा में लिया संज्ञान दो पुलिस अफसरों का तबादला

गुवाहाटी। असम में नगांव जिले में आने वाली सामागुड़ी विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले हिंसा की घटनाओं के बाद चुनाव आयोग ने प्रशासन पर कार्रवाई की। ईसी ने यहां दो पुलिस अधिकारियों के तबादले के आदेश दिए हैं। बताया गया है कि नगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) पार्था प्रतिम सैकिया और कालीबड़ संभाग के पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) रूपज्योति दत्ता को जिले से बाहर ट्रांसफर किया है। चुनाव आयोग ने जयंत बरुआ को जिले का नया एसपी (क्राइम) और श्यामंत शर्मा को एसडीपीओ पद पर नियुक्त किया है। इस बीच भाजपा ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर धुबड़ी से कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन को सामागुड़ी सीट पर प्रचार से रोकने की अपील की है। इस मामले में हुसैन के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दी गई है। रकीबुल हुसैन पिछले 23 साल से सामागुड़ी विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर -शेष पृष्ठ दो पर

लोअर सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना पूरी होने के करीब, 93 प्रतिशत काम पूरा

गुवाहाटी। अत्यधिक विवादास्पद सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना में अगले वर्ष से विद्युत उत्पादन शुरू होने वाला है। यह परियोजना असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर धेमाजी जिले में गोगामुख के पास सुबनसिरी नदी पर निर्मित एक बड़ा बांध है। यह परियोजना, जो लगभग पूरी होने वाली है, का लक्ष्य प्रारंभिक रूप से मार्च 2025 से 750 मेगावाट बिजली उत्पादन और मार्च 2026 तक 2000 मेगावाट की पूर्ण क्षमता प्राप्त करना है। 2000 मेगावाट की एनएचपीसी परियोजना का 93 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के एमडी बिपिन गुप्ता ने कहा कि एनएचपीसी ने जून 2024 में 116 मीटर ऊंचे कंक्रीट ग्रेविटी बांध का निर्माण पूरा कर लिया है और पावर हाउस और हाइड्रोमैकेनिकल घटकों पर काम तेजी से चल रहा है। एनएचपीसी ने मानसून सीजन खत्म होने के बाद रेडियल गेट का बचा हुआ काम पूरा करने के बाद मार्च 2025 में बिजली उत्पादन शुरू करने की योजना बनाई है। सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट एएन मोहम्मद ने बताया कि एनएचपीसी तकनीकी रूप से बिजली उत्पादन के लिए तैयार है। योजना के मुताबिक, परियोजना में मार्च 2025 में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

सड़क हादसे में 21 लोगों की मौत

नई दिल्ली। आइवरी कोस्ट में एक सड़क दुर्घटना में 21 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह दुर्घटना रविवार रात को सोब्रे और गगनोआ शहर को जोड़ने वाली सड़क के एक हिस्से पर हुई हालांकि इस बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई। बयान के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

अब अभिनेता मिथुन को मिली जान से मारने की धमकी

कोलकाता (हि.स.)। भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध वरिष्ठ अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी मिली है। पाकिस्तान के शहजादा भट्टी नामक एक गैंगस्टर ने वीडियो संदेश के जरिए मिथुन को धमकी दी है। इस वीडियो में कहा गया है कि मिथुन के हालिया बयान से मुस्लिम -शेष पृष्ठ दो पर

आपत्तिजनक पेंटिंग बनाने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी। गुवाहाटी के भरलुमुख में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई के विरोध में बनाई गई एक *आपत्तिजनक* पेंटिंग के सिलसिले में दो युवकों को पहले हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद पुलिस ने सोमवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने शहर में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर विवाद को और बढ़ा दिया है। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान पर्यावरण कार्यकर्ता और कलाकार मार्शल बरुआ और रायजोर दल की युवा शाखा जटिया युबा बहिनी के प्रचार सचिव -शेष पृष्ठ दो पर

नए सीजेआई संजीव खन्ना ने ली शपथ पहले दिन 45 केस की सुनवाई की

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में अपने पहले दिन 45 मामलों की सुनवाई की और वकीलों के साथ-साथ बार नेताओं को शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले राष्ट्रपति भवन में एक संक्षिप्त समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ से शपथ दिलाए जाने के बाद सीजेआई संजीव खन्ना दोपहर के समय सीजेआई के पवित्र न्यायालय में दाखिल हुए। पूर्व अटॉर्नी जनरल और वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी समेत तमाम बार नेताओं, वकीलों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मुकुल रोहतगी ने कहा, मैं सीजेआई के रूप में आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं। शुक्रवार को रोहतगी ने कहा था कि एक दशक से अधिक समय और सीजेआई वाई के -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या की नींव हिला देंगे, वीडियो जारी कर आतंकी पन्नू ने दी धमकी

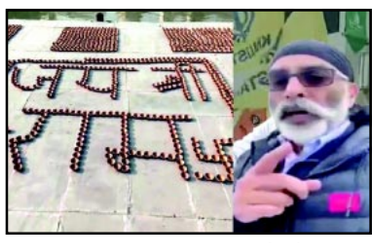

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अयोध्या राम मंदिर पर हमले की धमकी दी है। उसने कहा है कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। कहा जा रहा है कि पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के ब्रैम्पटन में रिकॉर्ड किया है। कनाडा के प्रोत्साहन से खालिस्तानियों के हौंसले इस हद तक बढ़ गए हैं कि खालिस्तानी अब सीधे तौर पर अयोध्या में राम मंदिर को निशाना बनाने की धमकी देने लगे हैं। खालिस्तानी आतंकी (कनाडा स्थित आतंकवादी) गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो -शेष पृष्ठ दो पर

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत के फैसले को लेकर आईसीसी से स्पष्टीकरण मांगेगा पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी से चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर स्पष्टीकरण मांगेगा। आईसीसी ने हाल ही में पीसीबी को इस बात की सूचना दी थी कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। आईसीसी ने हालांकि हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव को लेकर कुछ नहीं कहा था। आईसीसी ने पीसीबी को बताया था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान में अपनी टीम नहीं भेजेगा। सूत्रों के हवाले से पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि अब तक चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तर्ज पर कराने की कोई चर्चा नहीं चली है। मालूम हो कि ऐसी खबरें है कि बीसीसीआई आईसीसी से चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत कराने की मांग कर सकता है जिसमें भारत के मुकाबले यूएई या श्रीलंका में कराए जा सकते हैं। पिछले साल एशिया कप का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल के तहत हुआ था और भारत ने फाइनल सहित अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेले थे, जबकि अन्य टीमों के मैच -शेष पृष्ठ दो पर

हिज्बुल्लाह ने लेबनान से इजराइल पर दागे 90 रॉकेट

तेल अबीब। इजराइल ने दावा किया है कि हिज्बुल्लाह ने लेबनान से हाइफा पर 90 से अधिक रॉकेट दागे है। इजराइल ने बताया कि इस हमले में संपत्ति और वाहनों को नुकसान पहुंचा और कई लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर रॉकेटों को हवा में ही डिफ्यूज कर दिया गया है। वहीं, हिज्बुल्लाह ने दावा किया कि लॉन्च किए गए रॉकेटों में 2 बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल थीं। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि सोमवार दोपहर को गैलिली और हाइफा खाड़ी क्षेत्र की ओर दो बार में लगभग 90 रॉकेट दागे गए। जिससे संपत्ति और वाहनों को नुकसान पहुंचा और कई लोग घायल हो गए। अधिकतर रॉकेटों को नष्ट कर दिया गया है। हमले के एक घंटे से भी कम समय बाद, तीसरी बमबारी में सफेद और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त रॉकेट अलर्ट सायरन बजने लगे। पहले बैराज में करीब 80 रॉकेट दागे गए, जबकि दूसरे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

तीन महिला समेत चार ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के दो नंबर रेलवे गेट के पास अभियान चला कर क्राइम ब्रांच की टीम ने तीन महिला समेत चार ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की ओर से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर दो नंबर रेल गेट के करीब चलाए गए अभियान के दौरान 18 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रखे गए 23.85 ग्राम हेरोइन समेत चार ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें तीन महिला तस्कर शामिल है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नूर इस्लाम (32), मरजीना बेगम (30), एलिजा बेगम (30) और रशीदा खातून (25) के रूप में की गई है। गिरफ्तार चारों आरोपित के पास से हेरोइन के अलावा चार मोबाइल फोन, नगद 3, 000 रुपये बरामद किए गए हैं।

एससी की पटाखों पर बैन को लेकर कड़ी फटकार, कहा–

कोई भी धर्म प्रदूषण को बढ़ावा नहीं देता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध के आदेश को गंभीरता से न लागू करने के लिए दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि पटाखों पर प्रतिबंध का पालन ठीक से नहीं किया गया और यह सिर्फ दिखावे की तरह था। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह इसके पालन के लिए एक विशेष टीम बनाए और यह सुनिश्चित करे कि बिना लाइसेंस के पटाखों का उत्पादन और बिक्री न हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने पटाखों पर प्रतिबंध को गंभीरता से लागू नहीं किया। सिर्फ कच्चा माल जब्त करने को पर्याप्त कदम नहीं माना गया, और इस प्रतिबंध के असर को लेकर कोर्ट संतुष्ट नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को आदेश दिया कि वह अपने आदेश का पालन पूरी तरह से सुनिश्चित करने के लिए एक स्पेशल सेल बनाए। इसके साथ ही, बिना लाइसेंस के पटाखों के उत्पादन और बिक्री को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी धर्म ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देता, जो प्रदूषण फैलाती हों या लोगों की सेहत के लिए नुकसानदेह हों। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर पटाखे इसी तरह जलाए जाते रहे, तो यह नागरिकों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार को प्रभावित कर सकता है। अदालत का कहना था कि प्रदूषण से होने वाली समस्याओं को लेकर कोई भी धर्म इसकी मंजूरी नहीं दे सकता। दिल्ली सरकार ने दिवाली से पहले पटाखों पर प्रतिबंध का आदेश जारी किया था। हालांकि, दिवाली के दौरान राजधानी में भारी मात्रा में पटाखे फोड़े गए, और प्रतिबंध का पालन या तो बहुत कम हुआ या कुछ इलाकों में बिल्कुल भी नहीं हुआ। इस पर दिल्ली पुलिस के आयुक्त ने सुप्रीम कोर्ट को हलफनामा दाखिल किया, जिसमें उन्होंने बताया कि पटाखों के उत्पादन और निर्माण को लेकर क्या कदम उठाए गए। लेकिन कोर्ट ने पुलिस की दलीलों से संतुष्ट नहीं होते हुए कहा कि यह केवल दिखावे का कदम था, और इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से यह भी पूछा कि पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का निर्णय क्यों देर से लिया गया। कोर्ट ने कहा कि जब तक सरकार ने प्रतिबंध की घोषणा की, तब तक शायद लोग पटाखे खरीद चुके होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह सभी संबंधित पक्षों से परामर्श कर 25 नवंबर तक स्थायी प्रतिबंध पर फैसला ले।

ढाकुवाखाना में सड़क हादसे में मजदूर की मौत

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के ढकुवाखाना में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि ढकुवाखाना सदर थाना अंतर्गत आमलखी डांगधारा गांव के मदन दलै (33) मजदूरी करने सोमवार की सुबह घिलामारा के सरीयहनी गांव के लिए अपने साथी के साथ ट्रैक्टर से जुड़ी मिक्सर मशीन के साथ कार्य स्थल के लिए निकले थे। रास्ते में अचानक मदन दलै गाड़ी से फिसलकर सड़क पर गिर गया। ट्रैक्टर का पिछला पहिया युवक के शरीर के ऊपर से गुजर गया, जिससे मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। साथ आए अन्य साथियों ने घायल मजदूर को ढकुवाखाना अनुमंडल सिविल अस्पताल पहुंचाया। लेकिन, अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों के साथ पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बेजान चित्रों से डरते हैं मुख्यमंत्री : कांग्रेस अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा है कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बेजान चित्रों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ों की कटाई का विरोध करने वाले कलाकारों की सरकार द्वारा गिरफ्तारी और उनपर गैर जमानती मुकदमा दर्ज करने की असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने कड़ी निंदा की है। कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आज एक बयान में कहा कि प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित असम का ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा सरकार ने पेड़ों की कटाई का विरोध करने वाले चित्रकारों को गिरफ्तार किया है। देश का संविधान सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है और कलाकारों को अपनी भावनाओं को अपनी पेंटिंग के माध्यम से व्यक्त करने की अनुमति देता है। गौरतलब है कि चित्रकार मार्शल बरुवा और अंकुमान बरदलै ने लोगों में जागरूकता लाने के लिए कटाई के खिलाफ दीवारों पर चित्र बनाए जो मुख्यमंत्री शर्मा की नजर में यह एक बड़ा अपराध बन गया। आज सरकार द्वारा इन दोनों कलाकारों का अपमान अभूतपूर्व है, जो हिटलर शासन के चरम रूप को उजागर करता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह न्यायिक हिरासत में भेजे गए दोनों कलाकारों की रिहाई की मांग करते हैं और सरकार द्वारा की जा रही यातना की कड़ी निंदा करते हैं। इससे पहले इस सरकार ने कविता लिखने के लिए एक प्रतिभाशाली छात्र को जेल भेजा था। हम कलाकारों और लेखकों के प्रति सद्भावना न रखने के लिए मुख्यमंत्री की निंदा करते हैं।

पांडू जागृति शिक्षा निकेतन में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के पांडू इलाके में स्थित जागृति शिक्षा निकेतन में सोमवार को बाल दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। यह विशेष कार्यक्रम पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूसीरे (निर्माण) के महाप्रबंधक अरुण कुमार चौधरी, मालीगांव भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक अनुप दत्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बच्चों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा स्कूल परिसर में पीने के पानी की सुविधा प्रदान किया गया। पुरानी कक्षा को ठीक कर नए भवन का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। आज चेतन कुमार श्रीवास्तव एवं अरुण कुमार चौधरी ने नए भवन का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पूनम चौधरी समेत अन्य अतिथि मौजूद थीं। बैठक को संबोधित करते हुए चेतन कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय के विकास पर प्रकाश डाला और विद्यालय कोष में 1 लाख रुपये का योगदान दिया। अरुण कुमार चौधरी ने विद्यालय के वातावरण एवं महिला कल्याण संगठन के सुचारु संचालन की सराहना की। इस अवसर पर छात्रों द्वारा गणेश वंदना, हनुमान चालीसा और नृत्य प्रस्तुत किए गए।

राज्यपाल ने मां कामाख्या मंदिर और बालाजी मंदिर में की पूजा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को पत्नी कुमुद देवी के साथ कामाख्या मंदिर का दौरा किया और देवी कामाख्या की पूजा-अर्चना की। राज्यपाल ने मां से राज्य के सभी वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा। बाद में राज्यपाल ने भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर का भी दौरा किया और वहां पूजा-अर्चना की।

নং.এচ পি এইচজি.৩৫/ এনৰল পাৰ্ত-৩/২০২২-২৪/৯৫২

জাননী

ইয়াৰ দ্বাৰা শোণিতপুৰ জিলাৰ ৫৫ বছৰ বয়সৰ অনুৰ্দ্ধ তথা গৃহৰক্ষী প্ৰশিক্ষণ গ্ৰহণ কৰি ৩ (তিনি) বছৰ সেৱা আগবঢ়োৱা যিসকল গৃহৰক্ষী আছে তেওঁলোকে যদি পুনৰ গৃহৰক্ষী বাহিনীৰ স্বেচ্ছাসেৱক হিচাপে ৩ (তিনি) বছৰৰ বাবে সেৱা আগবঢ়াবলৈ ইচ্ছুক সেইসকল গৃহৰক্ষীক শোণিতপুৰ জিলাৰ গৃহৰক্ষী কাৰ্য্যালয়ৰ পৰা প্ৰ-পত্ৰ সংগ্ৰহ কৰি নিম্নউল্লিখিত নথি প্ৰ-পত্ৰৰ (আত্ম প্ৰত্যায়িত কপিসহ) অহা ইং ১২/১১/২০২৪ ৰ পৰা ৩০/১১/২০২৪ তাৰিখৰ ভিতৰত এই কাৰ্য্যালয়ত জমা দিবলৈ জনোৱা হল।

১। গৃহৰক্ষী প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰমাণ-প্ৰত্ৰ।
২। বয়সৰ প্ৰমাণ-প্ৰত্ৰ।
৩। ইউনিফৰ্ম পৰিহিত পাছপ'ৰ্ট আকাৰৰ ফটো ৫(পাঁচ) কপি।
৪। পানকাৰ্ড আধাৰ কাৰ্ড, বেংক পাছবুকৰ প্ৰথম পৃষ্ঠা।
৫। গাঁওবুঢ়া/ৱাৰ্ড মেম্বাৰে প্ৰদান কৰা স্থায়ী বাসিন্দাৰ প্ৰমাণ-পত্ৰ।
৬। ম'বাইল নং।

বিঃদ্ৰঃ-
১। প্ৰ-পত্ৰ জমা দিওতে গৃহৰক্ষী প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰমাণ-পত্ৰ আৰু বয়সৰ প্ৰমাণ-পত্ৰৰ মূল কপি লগত আনিবলৈ কোৱা হ'ল।

স্বাক্ষৰ/জিলা অধিনায়ক
গৃহৰক্ষী বাহিনী,শোণিতপুৰ, তেজপুৰ (অসম)

-- Janasanyog /D/8575/24/12-Nov-24

पृष्ठ एक का शेष

जिरीबाम में 11...

जिले के कई गांवों को निशाना बनाते हुए एक के बाद एक आरपीजी हमले किए। उग्रवादियों ने थम्नापोकपी, यिंगांगपोकपी, सबुंगखोक, संसाबी सहित कई गांवों में पहाड़ी की चोटियों से नागरिकों को निशाना बनाते हुए आरपीजी हमलों की एक श्रृंखला शुरू की। थम्नापोकपी गांव में उग्रवादियों और महार रेजिमेंट, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और स्थानीय पुलिस के संयुक्त सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी भी हुई। बताया जा रहा है कि बीते कल हुई फायरिंग में महार रेजिमेंट के एक जवान के हाथ में गोली लगी है।

बांग्लादेश में उग्रवादियों ...

होने के बाद कट्टरपंथी तत्वों और आतंकी समूहों ने खोई हुई जमीन वापस पा ली है। सूत्रों ने बताया कि भारत बांग्लादेश की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और यह एक तथ्य है कि कुछ तत्व उस देश में भारत विरोधी माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछली सरकार द्वारा जेल में बंद आतंकी और कट्टरपंथी तत्वों को रिहा कर दिया गया है। ऐसे तत्व निश्चित रूप से भारत में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश करेंगे और ऐसे में असम और पश्चिम बंगाल सबसे ज्यादा पीड़ित हो सकते हैं। ऐसे आतंकी संगठनों को गड़बड़ी पैदा करने के लिए अपने लोगों को भेजने की जरूरत नहीं होगी और वे भारत से किसी का इस्तेमाल करके ऐसा कर सकते हैं। हाल के दिनों में देखा गया है कि आतंकी समूहों ने साइबरस्पेस का इस्तेमाल कर युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश की है और कुछ मामलों में वे सफल भी रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि यही वजह है कि आतंकी समूह असम और पश्चिम बंगाल में समस्या पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं और इसे रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों को सतर्क रहना होगा और खुफिया नेटवर्क को बढ़ाना होगा। हाल के वर्षों में, जेएमबी, अंसार बांग्ला टीम (एबीटी) और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों ने असम में अपनी जड़ें जमाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस और सुरक्षा बलों ने इन प्रयासों को विफल कर दिया। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश की पिछली सरकार भारत के साथ बहुत दोस्ताना थी और उसने जिहादी और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। लेकिन स्थिति पूरी तरह बदल गई है और कट्टरपंथी हावी हो रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर, असम में जनसांख्यिकी पैटर्न भी तेजी से बदला है और यह बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्वों के लिए असम में अपने ठिकानों का विस्तार करने के लिए अनुकूल जमीन पेश कर सकता है, सूत्रों ने कहा।

धुबड़ी में जीएसटी ...

जब हाल ही में एक आंतरिक जांच में पता चला कि धुबड़ी कार्यालय के पूर्व अधीक्षक सुबंगचा म्वाशहरी कोयला निर्यातकों के लिए जीएसटी दस्तावेजों में हेराफेरी करने में शामिल थे। इन निर्यातकों ने राज्य के विभिन्न डिपो से सत्यापित जीएसटी कागजात के साथ कोयला खरीदा था, कथित तौर पर डिपो मालिकों ने कर चोरी करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। यह पाया गया कि कोयला डिपो ने जाली चालान बनाए और बाद में पता लगने से बचने के लिए अपने कारोबार बंद कर दिए, जिससे कर अधिकारियों को कोई सुराग नहीं मिल पाया। निलंबित वरिष्ठ सहायक कोंकेन्द्र फौजदार की भूमिका इस घोटाले में मुख्य भूमिका के रूप में पहचानी गई है। सूत्रों का कहना है कि फौजदार ने कार्यालय में एक कंप्यूटर का इस्तेमाल किया था, जिसे म्वाशहरी ने भी एक्सेस किया था, जहां से जाली दस्तावेजों को प्रोसेस किया जाता था। हेराफेरी के दौरान, सिस्टम में लॉग इन करने के लिए एक विशेष आधिकारिक डोंगल की आवश्यकता थी, जिसका उपयोग केवल अधीक्षक द्वारा किया जा सकता था। इस डोंगल ने म्वाशाहरी को सुरक्षा उपायों को दरकिनार करने और अवैध दावों को सुविधाजनक बनाने की अनुमति दी। कथित तौर पर यह योजना तब तक पकड़ में नहीं आई जब तक कि आंतरिक ऑडिट ने विसंगतियों को उजागर नहीं कर दिया।

बंद से डिब्रूगढ़ ...

जिला प्रशासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए ऑल मोरन छात्र संगठन (एएमएसयू) और ऑल असम मोटोक युवा छात्र संमिलन (एएएमवाईसीएस) के प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। एक अधिकारी ने मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए बताया कि असम के दो ऊपरी जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुध करते हुए टायर जलाए। मकुम तिनसुकिया बाईपास पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हवा में फायरिंग भी की। उन्होंने कहा कि अभी तक हमने किसी को भी हिरासत में नहीं लिया है। कई जगहों पर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हुए। हम राजमार्गों और सड़कों को खाली करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि असम के मोरन, मोटोक, चुटिया, ताई-अहोम, कोच-राजबोंगशी और चाय-जनजाति समुदाय कई वर्षों से एसटी दर्जे की मांग कर रहे हैं। भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री उन्हें आरक्षण देने का आश्वासन दे रहे हैं। एएमएसयू और एएएमवाईसीएस संगठन ने 12 घंटे के बंद का आह्वान किया। कई अन्य समूह भी इस आन्दोलन का समर्थन कर रहे हैं। एएमएसयू अध्यक्ष पुलेंद्र मोरन ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगे स्वीकार नहीं कर लेती, आने वाले दिनों में यह आंदोलन और तेज होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने हमें कई बार बेवकूफ बनाया। अब हम उनका कोई आश्वासन नहीं सुनेंगे। हम अब केवल कार्रवाई चाहते हैं।

ईसी ने चुनाव ...

रहे थे। इस साल लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने इस सीट को खाली कर दिया था। अब उनका बेटा तंजील कांग्रेस के टिकट पर इस सीट से उपचुनाव लड़ रहा है। भाजपा ने इस सीट पर दिप्लू रंजन शर्मा को मौका दिया है, जो कि पार्टी के महासचिव रह चुके हैं और भाजपा की युवा इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। चुनाव आयोग को लिखी गई चिट्ठी में भाजपा ने कहा है कि हुसैन की इलाके में मौजूदगी ने हिंसा को भड़काया। पार्टी ने हुसैन को इस विधानसभा क्षेत्र में प्रचार से प्रतिबंधित करने की मांग की। असम के मंत्री बिमल बोरा ने चुनाव आयोग को चिट्ठी भेजने के बाद कहा कि अगर सांसद हुसैन को क्षेत्र में घूमने दिया गया तो चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं हो पाएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने असम के नगांव में 9-10 नवंबर को हुई हिंसा के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के घर से सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक जीतू गोस्वामी के वाहन पर गोली चलाई गई। वाहन में गोस्वामी और भाजपा नेता सुरेश बोरा यात्रा कर रहे थे। हालांकि, घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ। इस मामले में जीतू गोस्वामी की तरफ से शिकायत भी दी गई है। उन्होंने इस मामले में हुसैन समेत 15 कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पत्थरबाजी और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। गोस्वामी ने कहा कि यह सब हुसैन की मौजूदगी में हुआ। दूसरी तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के पूर्व आंचलिक पंचायत सदस्य इस्माइल हुसैन के बेटे इमामुद्दीन पर गोली चलाई, जिससे उन्हें पैर में चोट आई है। कांग्रेस का कहना है कि घायल इमामुद्दीन को एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपों की पुष्टि की जा रही है।

लोअर सुबनसिरी जलविद्युत...

बिजली घर में लगाए जाने वाले 8 टर्बाइनों में से 3 का इस्तेमाल कर शुरुआती तौर पर 750 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा। दो टर्बाइन पहले ही लगाए जा चुके हैं और तीसरा टर्बाइन लगाने की प्रक्रिया में है। एनएचपीसी की आखिरी योजना दिसंबर 2024 तक बांध का निर्माण पूरा करके बिजली उत्पादन शुरू करने की थी, लेकिन प्राकृतिक बाधाओं ने ऐसा होने से रोक दिया। बांध निर्माण के लिए आवश्यक डायवर्जन सुरंगें प्राकृतिक आपदाओं के कारण क्षतिग्रस्त हो गईं, जिसके कारण पांच में से केवल एक ही चालू रह गई। 27 अक्तूबर, 2023 को हुए एक बड़े भूस्खलन ने एकमात्र चालू डायवर्जन सुरंग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे मुख्य बांध में पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने वाले स्पिलवे रेडियल गेट्स के बाकी हिस्सों की स्थापना में बाधा उत्पन्न हुई। जबकि 9 रेडियल गेटों में से 6 स्थापित किए जा चुके हैं, 3 स्थापित किए जाने बाकी हैं। एनएचपीसी ने इस साल के मानसून से पहले 6 रेडियल गेट लगाए। एनएचपीसी अब मानसून के मौसम के बाद शेष गेट लगाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। एनएचपीसी का लक्ष्य मार्च 2026 में 8 टर्बाइनों के साथ 2000 मेगावाट बिजली पैदा करने के साथ परियोजना को पूरी तरह से चालू करना है। बांध के ऊपर से पानी बहने के कारण 2024 के मानसून के मौसम के दौरान रेडियल गेट पूरी तरह से स्थापित नहीं किए जा सके क्योंकि एकमात्र चालू डायवर्जन सुरंग बंद थी। हालांकि, बिजली उत्पादन के लिए दो बड़ी टर्बाइनें पावर हाउस में लगाई गई हैं। एनएचपीसी अगले मार्च में तीसरा टर्बाइन लगाकर बिजली उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार है। प्रत्येक टर्बाइन 250 मेगावाट बिजली पैदा कर सकता है। कंपनी का लक्ष्य तीन टर्बाइन चालू करके मार्च तक 750 मेगावाट बिजली पैदा करना है। बांध 8 सुरंगों का उपयोग करके 8 टर्बाइनों तक पानी पहुंचाएगा, जिससे कुल 2000 मेगावाट बिजली पैदा होगी। एनएचपीसी के अधिकारियों ने बताया कि एक बार जब शेष स्पिलवे रेडियल गेट स्थापित हो जाएंगे, तो वे सभी 8 टर्बाइन चालू कर पाएंगे और मार्च 2026 तक 2000 मेगावाट बिजली पैदा कर पाएंगे। अरुणाचल प्रदेश से असम तक बहने वाली सुबनसिरी नदी पर बनने वाले इस बांध के लिए केंद्रीय सरकार की संस्था ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने 1983 में डीपीआर प्रस्तुत की थी। निर्माण एजेंसी एनएचपीसी को अक्तूबर 2004 में केंद्र सरकार की विभागीय मंजूरी प्राप्त हुई थी। निर्माण जनवरी 2005 में शुरू हुआ था, लेकिन निचले इलाकों के निवासियों और असम के अन्य संगठनों के विरोध के कारण इसे रोक दिया गया था। असम सरकार द्वारा गठित एक समिति ने भूकंपीय क्षेत्र 5 में गेरुकामुख की नाजुक पहाड़ियों पर बांध के निर्माण के खिलाफ सिफारिश की। व्यापक विरोध और डाउनस्ट्रीम लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के बारे में चिंताओं के कारण, दिसंबर 2011 से अक्तूबर 2019 तक निर्माण को निलंबित कर दिया गया था। विभिन्न प्रक्रियाओं और राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा मंजूरी के बाद 15 अक्तूबर, 2019 को परियोजना का निर्माण फिर से शुरू हुआ। परियोजना के सलाहकार एएन अहमद ने ईटीवी भारत को बताया कि 31 मार्च 2024 तक परियोजना का 93 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी लागत 20,834 करोड़ रुपए है। एनएचपीसी के एक अन्य सूत्र के अनुसार, 8 टर्बाइनों से 2000 मेगावाट बिजली उत्पादन के साथ पूर्ण कमीशनिंग पर लागत 22,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है. 2002 में परियोजना की अनुमानित लागत 6,285 करोड़ रुपए थी।

आपत्तिजनक पेंटिंग बनाने ...

अंगकुमन बोरदोलोई के रूप में हुई है। उन्हें गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और आपराधिक धमकी देने सहित कई आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया है। सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धारा 3 के तहत गैर-जमानती आरोप भी लगाया गया है। उनके वकील ने पुष्टि की कि दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई और बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनके साथ हिरासत में लिए गए तीसरे युवक कमल कुमार को बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया। विवाद की शुरुआत ओवरब्रिज के निर्माण के लिए करीब 80 पेड़ों की योजनाबद्ध कटाई के विरोध में बनाई गई पेंटिंग से हुई। विरोध प्रदर्शन में स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई मानव श्रृंखला और रात भर का धरना शामिल था, जिसका उद्देश्य निर्माण के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। प्रारंभिक पेंटिंग में एक शब्द था जिसे आपत्तिजनक माना गया था, हालांकि कथित तौर पर इसे हटा दिया गया और इसकी जगह *कृपया हिमंत प्रकृति बचाओ* का नारा लगा दिया गया। बाद में नारे को स्थान से हटा दिया गया। गुवाहाटी में बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं के लिए पेड़ों की कटाई को लेकर विरोध प्रदर्शन बढ़ रहे हैं। अक्तूबर में, दिघालीपुखुरी इलाके में भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन देखा गया था, जहां निवासियों ने फ्लाईओवर के एक हिस्से के निर्माण के लिए 25 पेड़ों की कटाई का विरोध किया था। यह मुद्दा गुवाहाटी उच्च न्यायालय तक पहुंचा, जिसने पिछले सप्ताह राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने दिघलीपुखुरी स्थल का दौरा करते हुए विरोध प्रदर्शन को जनता के कुछ वर्गों द्वारा सरकारी विकास परियोजनाओं को बाधित करने के लिए बनाया गया *अनावश्यक विवाद* करार दिया।

नए सीजेआई संजीव...

सभरवाल (दिवंगत) के बाद शीर्ष अदालत को दिल्ली उच्च न्यायालय से एक और सीजेआई मिलेगा। इस दौरान न्यायालय कक्ष में मौजूद अन्य वकीलों ने भी सीजेआई को शुभकामनाएं दीं। दोपहर के कुछ मिनट बाद न्यायमूर्ति संजय कुमार के साथ न्यायालय कक्ष 1 में एकत्रित हुए सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा, धन्यवाद। जब एक बार नेता ने सुनवाई के लिए एक दिन में सूचीबद्ध मामलों के अनुक्रम से संबंधित मुद्दा उठाया, तो सीजेआई ने कहा कि यह उनके दिमाग में है और वे इस पर विचार करेंगे। सीजेआई ने दोपहर 2.30 बजे तक अदालत में सुनवाई की और 45 सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई की, जिनमें से ज्यादातर वाणिज्यिक विवाद थे। मध्यस्थता पुरस्कार के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से दायर एक याचिका में, सीजेआई ने कहा कि नागरिकों को धोखा नहीं दिया जा सकता है। सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने राज्य सरकार की उस अपील पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें मध्यस्थता पुरस्कार के खिलाफ राज्य सरकार से मॉरीशस स्थित कंपनी को वादा किए गए कर प्रोत्साहन के लिए भुगतान करने को कहा गया था। 14 मई, 1960 को जन्मे सीजेआई संजीव खन्ना छह महीने से थोड़ा अधिक समय तक पद पर रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 13 मई को पद छोड़ देंगे। उन्होंने न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ का स्थान लिया, जिन्होंने रविवार को पद छोड़ दिया।

अयोध्या की नींव ...

जारी कर हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्र राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी है। आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख पन्नू ने जारी एक वीडियो में कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। कहा जा रहा है कि पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के ब्रैम्पटन में रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राम मंदिर और कई अन्य हिंदू धार्मिक स्थलों के खिलाफ हिंसा भड़काने की भी धमकी दी गई है। पन्नू ने वीडियो में आगे कहा कि हम हिंदुत्व विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे। पन्नू की इस धमकी को भारत के सबसे पवित्र स्थानों में से एक (राम मंदिर) पर सीधी धमकी माना जा रहा है। पन्नू के वीडियो में पीएम मोदी की अयोध्या राम मंदिर में प्रार्थना करते हुए तस्वीरें भी दिखाई दे रही हैं। खालिस्तानी आतंकवादी ने कनाडा में रहने वाले भारतीयों को हिंदू मंदिरों पर खालिस्तानी हमलों से दूर रहने की भी धमकी दी है। भारत से फरार भगोड़ा पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है। यह कनाडा में भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा करने के लिए खालिस्तानियों को उकसाता रहता है। इससे पहले खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने भारत को धमकी देते हुए प्लेन उड़ाने की बात कही थी। पन्नू ने कहा था कि सिख दंगों के 40 साल पूरे होने पर एअर इंडिया की फ्लाइट पर हमला हो सकता है। पन्नू ने अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों से 1 से 19 नवंबर तक एअर इंडिया में उड़ान न भरने की चेतावनी दी थी।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ...

पाकिस्तान में हुए थे। ऐसी चर्चा है कि दुबई शहर चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के मुकाबलों की मेजबानी कर सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल फरवरी में होना है। सूत्र ने कहा कि पीसीबी अपने कानूनी सलाहकारों से बात करके आईसीसी को ई-मेल भेजेगा जिसमें भारत के फैसले पर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। फिलहाल पीसीबी द्वारा पूरी स्थिति का आकलन किया जा रहा है। अगले कदम को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। हां, जरूरत पड़ने पर सलाह और निर्देश के लिए पीसीबी सरकार के साथ संपर्क में रहेगी। सूत्र ने कहा कि पीसीबी भारत के संबंध में सरकार से नीतिगत दिशानिर्देशों का इंतजार कर रहा है, जिसका हवाला देकर भारत के भाग लेने से इनकार करने के बारे में आईसीसी से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अगर पाकिस्तान सरकार भारत के साथ क्रिकेट संबंधों पर सख्त कदम उठाने का फैसला करती है तो आईसीसी के लिए कानूनी निहितार्थ हो सकते हैं। सूत्र ने कहा कि व्यावसायिक साझेदारों की ओर से कानूनी नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं क्योंकि आईसीसी ने प्रसारकों और प्रायोजकों से कहा है कि सभी शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देश टूर्नामेंटों में भाग लेंगे। भारत ने 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। दोनों टीमों के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय सीरीज भी नहीं खेली जा रही है। भारत और पाकिस्तान की टीमें सिर्फ आईसीसी या एशिया कप जैसे बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं।

हिज्बुल्लाह ने लेबनान...

बैराज में 10 रॉकेट दागे गए, जिनमें से कुछ खुले इलाकों में गिरे। हिज्बुल्लाह से जुड़े लेबनानी अल-मायादीन नेटवर्क ने बताया कि लॉन्च के बाद उत्तर की ओर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। किरयात अता में कुछ रॉकेट दागे गए, जिससे घरों और कारों को नुकसान पहुंचा और बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे 17 वर्षीय एक लड़के को चोट लगी; बस स्टॉप पूरी तरह से नष्ट हो गया। पुलिस के अनुसार किरयात याम में भी नुकसान की सूचना मिली है। कई लोगों को मामूली चोटें आई हैं, साथ ही चिंता के कई मामले भी सामने आए हैं। पुलिस ने कहा कि किर्यत अता और किर्यत यम में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली है, साथ ही छर्रे लगने से संपत्ति और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। अब तक, कई लोगों के घायल होने और मामूली चोटों की सूचना मिली है। मैगन डेविड एडोम के अनुसार, एक 52 वर्षीय व्यक्ति को छर्रे लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया। निवासियों ने बताया कि हाइफा और हाइफा खाड़ी क्षेत्र के आसमान में कई अवरोधों की आवाजें सुनी गईं। इससे पहले सोमवार को हिज्बुल्लाह ने उत्तरी शहर कार्मिएल और उसके आसपास के इलाकों में लगभग 50 रॉकेट दागे। कम से कम तीन लोग घायल हुए, जिनमें एक बच्चा और 20 साल की एक महिला शामिल है, जिन्हें मामूली चोटें आईं। अन्य को सदमा लगा। रॉकेट दागे जाने की घटना तब हुई जब लेबनान में ऐसी खबरें आईं कि आईडीएफ ने हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले से पहले दक्षिण लेबनान के लगभग 21 गांवों के निवासियों को चेतावनी जारी की है।

सड़क हादसे में ...

जांच शुरू कर दी गई है। बयान में बताया गया कि परिवहन मंत्रालय सभी वाहन चालकों से सड़क यातायात के दौरान अधिक सतर्क रहने, यातायात नियमों का पालन करने, विशेष रूप से अन्य वाहन से आगे निकलने की होड़ में सावधानी बरतने और अलग-अलग गति सीमाओं के अनुसार अपनी गाड़ी की गति बनाये रखने का आह्वान करता है।

अब अभिनेता मिथुन ...

समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिसके बदले में उन्हें जान से मारने की चेतावनी दी गई है। वीडियो में मिथुन को 10-15 दिनों के अंदर माफी मांगने की समय सीमा दी गई है, अन्यथा उनकी जान को खतरा बताया गया है। उल्लेखनीय है कि मिथुन चक्रवर्ती वर्ष 2021 में भाजपा में शामिल हुए थे। हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के लिए मिथुन कोलकाता के सॉल्ट लेक स्थित ईजेडसीसी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान, उन्होंने तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर के उस विवादास्पद बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने हिंदू-मुस्लिम अनुपात की बात कही थी।

कछार में बोलेरो-ऑटोरिक्शा की टक्कर में पांच लोगों की मौत

कछार (हिंस)। असम के कछार जिले के सिलचर-कलाइन मार्ग पर रानीघाट इलाके में सोमवार सुबह एक बोलेरो पिकअप और ऑटोरिक्शा के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पांच मृतकों में से चार एक ही परिवार के सदस्य थे और वे कछार के कलाइन इलाके से सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएमसीएच) जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि पचास वर्षीय जाकिर उद्दीन अपनी पत्नी रेजिया बेगम (46), बेटे दिलवर हुसैन (28) और बेटी रेहाना बेगम (23) के साथ किसी मेडिकल इमरजेंसी के लिए एसएमसीएच जा रहे थे और उसी इलाके का ताहिर उद्दीन आटोरिक्शा चला रहा था। पुलिस ने बताया कि जाकिर उद्दीन किसी बीमारी से पीड़ित थे और परिवार के सदस्य उन्हें इलाज के लिए एसएमसीएच ले जा रहे थे, तभी यह घटना घटी। पुलिस ने बताया कि जाकिर और उसके परिवार के सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ताहिर उद्दीन की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसा जानलेवा था, हालांकि बोलेरो में सवार किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। बताया गया कि ताहिर उद्दीन का अगले महीने विवाह होने वाला था। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जब टक्कर हुई तो दोनों गाड़ियां तेज गति से चल रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर पेड़ बहुत ज्यादा हैं और यही घटना की वजह है। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने कई घंटों तक सड़क जाम किए रखा और तत्काल कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक नोमल महता पहुंचकर नाराज लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने बताया कि उन्होंने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एसएमसीएच भेज दिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अनिवार्य प्रक्रिया पूरी करने के बाद हम शव परिवार के सदस्यों को सौंप देंगे।

असम की पांच विस सीटों पर उपचुनाव के लिए प्रचार का शोर थमा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में पांच विधानसभा सीटों के लिए होने जा रहे उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान आज समाप्त हो गया। शाम होते-होते चुनाव प्रचार का शोर थम गया। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को राजनीतिक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए लोगों से वोट की अपील की। असम में पांच सीटों बिहाली, सामागुड़ी, सिदली, बंगाईगांव और धलाई में 13 नवंबर को मतदान होंगे। मतदान प्रक्रिया 13 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। उस दिन शाम 5 बजे तक जो लोग वोट डालने के लिए कतारों में खड़े होंगे, वे अपना वोट डाल सकेंगे। मतदाता अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक या डाकघर की तस्वीरों के साथ पासबुक, ड्राइविंग लाइसेंस, फोटो के साथ संलग्न पेंशन सूचना, सरकारी पहचान पत्र आदि लाने पर भी अपना वोट डाल सकते हैं। धलाई (एससी) निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 9, 97, 642 है। इसमें पुरुषों की संख्या 99, 756, महिलाओं की 97, 885, सर्विस वोट 565 तथा 208 मतदान केंद्र हैं। सिदली (एसटी) निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 2, 27, 236 है। इसमें पुरुष 1, 07, 924, महिला 1, 09, 308, सर्विस वोट 677 तथा 273 मतदान केंद्र हैं। सामागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 1, 80, 854 है, जिसमें पुरुष 99, 493, महिला 89, 350, सर्विस वोट 292 तथा 197 मतदान केंद्र हैं। बिहाली निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 1, 32, 579 है जिसमें पुरुष 66, 039, महिला 66, 539, सर्विस वोट 148 तथा 154 मतदान केंद्र हैं। बंगाईगांव निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 1, 82, 354 है जिसमें पुरुष 89, 510, महिला 92, 842, सर्विस वोट 114 तथा 246 मतदान केंद्र हैं। उल्लेखनीय है कि सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में से मुख्य रूप से बिहाली और सामागुड़ी में सत्तारूढ़ विपक्ष का व्यापक चुनाव प्रचार हुआ। विशेष रूप से सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र में हिंसा देखने को मिली। सामागुड़ी में चुनावी हिंसा रोकने में नाकाम राज्य के गृह विभाग ने रविवार को नगांव जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम सैकिया और कलियाबोर उपसंभागीय पुलिस अधिकारी रूपज्योति दत्ता का तबादला कर दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का तबादला कार्बी आंग्लांग कर दिया गया है और उनके स्थान पर कार्बी आंग्लांग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयंत बरुआ को गृह विभाग द्वारा नियुक्त किया गया है। इसी तरह होजाई के पुलिस उपाधीक्षक श्यामंत शर्मा को कलियाबोर के नए उपसंभागीय पुलिस अधिकारी का प्रभार दिया गया है। रविवार को भी कांग्रेस नेता अमजद अली के सामागुड़ी स्थित आवास पर उपद्रवियों ने हमला किया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उपद्रवियों ने सामागुड़ी के बसाबाड़ी में अमजद के आवास पर पथराव किया। इसी बीच पुलिस ने इस चुनावी हिंसा के बीच पत्रकार पर हमला करने वाले तहीरुद्दीन नाम के शख्स को गिरफ्तार कर लिया है।

विप्र युवा असम का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। नवगठित विप्र युवा असम टीम का शपथ ग्रहण समारोह छत्रीबाडी स्थित परशुराम सेवा सदन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री के मुख्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश झाझरिया ने भगवान परशुराम के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में 100 से अधिक सदस्यों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। नवगठित टीम का नेतृत्व अध्यक्ष अंकित पारीक और सचिव सीए विकास पारीक के हाथों में सौंपा गया। कार्यकारिणी में सीए गौरव मिश्रा, नारायण पारीक, अमित खंडेलवाल, मुकेश शर्मा, विपिन पारीक, अजय शर्मा, धीरज शर्मा, राहुल जोशी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं।

ड्रग्स समेत तीन व्यक्ति गिरफ्तार

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिले के खनदीकर इलाके से पुलिस की एक टीम ने ड्रग्स समेत तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गए अभियान के दौरान तीन युवकों को ड्रग्स समेत पकड़ा गया। पकड़े गए युवकों की पहचान साईदुल, जैकी बासुमतारी और देईथु स्वर्गीयारी के रूप में की गई है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर साईदुल से जैकी और देईथु हेरोइन खरीदने के लिए पहुंचे थे।

फातिमा कांवेंट इंग्लिश स्कूल ने मनाया भाषा सप्ताह

रंगिया (विभास)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशानुसार राज्यभर में 3 नवंबर से 9 नवंबर तक *भाषा गौरव सप्ताह* आयोजित किया गया। असमिया भाषा को *ध्रुपदी भाषा* के रूप में मान्यता दिए जाने के कारण राज्यभार में यह भाषा गौरव सप्ताह मनाया गया। इसके साथ ही रंगिया सम-जिला के अंतर्गत फातिमा कांवेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल में भी बड़े ही उत्साह के साथ भाषा गौरव सप्ताह मनाया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त दिन स्कूल के छात्रों के बीच विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें विशेष रूप से कहानियां, भाषण, कविता पाठ, नृत्य, बिहू नृत्य, नाटक, बातचीत, शब्द-श्रृंखला शामिल थी। गौरतलब है कि, असमिया भाषा के विस्तार के क्षेत्र में फातिमा कांवेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल के शिक्षकों और छात्रों ने भी अलग-अलग समय पर अलग-अलग कार्यक्रम अपनाए हैं। विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों में काफी खुशी है। वहीं दूसरी ओर भाषा गौरव सप्ताह के अंतिम दिन स्कूल के अधिकारियों ने स्कूल में एक औपचारिक सभा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में रंगिया सम-जिला के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तथा इतिहास विभाग के अवसरप्राप्त अध्यापक पबिन कलिता, रंगिया महाविद्यालय के राजनीति विभाग की प्रवक्ता रानू चौधरी, स्कूल की प्रधान शिक्षिका सीस्टर बर्नाडेट विकोस्टार ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियो ने भाषा गौरव सप्ताह पर भाषण प्रदान किया। विद्यालय की प्रधान शिक्षिका सहित सहयोगी सुनी दास, नीलाक्षी शर्मा, अर्चना पटवारी एवं अन्य शिक्षकों के सहयोग से उक्त कार्यक्रम को सुचारू रूप से सफलता प्राप्त हुई।

रंगिया महाविद्यालय छात्र एकता सभा के चुनाव में एबीवीपी को मिली सफलता

रंगिया (विभास)। रंगिया महाविद्यालय के छात्र एकता सभा के आम चुनाव में एबीवीपी, एबीएसयू एएजीएसयू समर्थित उम्मीदवारों ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष समेत 10 पदों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस जीत के बाद सभी उम्मीदवारों और उनके सैकड़ों समर्थकों ने सोमवार को रंगिया शहर में रंग और गुलाल की होली खेलते, बजाते गाते जुलूस निकाला। वहीं दूसरी ओर आसू के समर्थित दो उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की है। इस बीच एनएसयूआई समर्थित किसी भी उम्मीदवार को जीत नहीं मिली।

विधायक की गाड़ी पर गोलीबारी की अगप ने की निंदा

गुवाहाटी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) ने सामागुड़ी में विधायक जीतू गोस्वामी के वाहन पर गोली चलाने की घटना की निंदा की है। यह हमला न केवल एक जनप्रतिनिधि पर हमला है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर हमला है। इस तरह की कायरता और हिंसा समाज को अस्थिर रखती है। अगप ने मीडिया को जारी एक बयान में कहा कि असम गण परिषद हमेशा शांति में विश्वास करती है। इसलिए पार्टी ने घटना की त्वरित और गहन जांच तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अगप ने पत्रकारों के साथ मारपीट करने और उन्हें धमकाने की भी कड़ी निंदा की है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर आने वाले दिनों में हमला नहीं होना चाहिए।

श्री सालासर हनुमान जी का उत्सव गुरू वंदना के साथ संपन्न

बंगाईगांव। श्री सालासर हनुमान सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में आयोजित तथा श्री सालासर हनुमान उत्सव परिचालना समिति के द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ शुक्रवार को शुरू हुआ। श्री सालासर हनुमान जी का विशाल पंचदशम वार्षिक उत्सव का भव्य समापन रविवार को हुआ। रविवार को सुबह श्री सालासर हनुमान जी की पूजा अर्चना एवं आरती की गई तथा बाबा की सवामणी का भोग लगाया गया। इसके पश्चात गुवाहाटी से पधारे श्री हनुमान घाट भक्त मंडल द्वारा भजनों की अमृत वर्षा की गई। दोपहर को अच्छी संख्या में भक्तों ने सामूहिक प्रसाद ग्रहण किया। अंतिम दिवस का मुख्य कार्यक्रम शांय काल शुरू हुआ जिस में गुवाहाटी से पधारे भजन गायक सुभाष पारीक, योगेश चौरड़िया के साथ सालासर धाम के पुजारी राजवीर ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया। वृंदावन से धारू भाई के साथ पधारे म्यूजिकल ग्रुप ने शानदार प्रस्तुति दी। कोलकाता से पधारे भास्कर पार्टी ने भगवान पर मनमोहक नृत्य नाटिका पेश की तथा जितेंद्र सिंदरी ने सफेद हनुमानजी की झांकी पेश

की। रात को बाबा को छप्पनभोग लगाया गया। सभी गायक कलाकारों, सालासर धाम से आए पुजारीयों, पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया से जुड़े सभी लोगों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान नि:शुल्क डायबिटिक टेस्ट कैंप का भी आयोजन किया गया था जिसमें अनेक भक्तों ने इसका लाभ लिया। इस दौरान अभिनंदन का एक विशेष कार्यक्रम रखा गया। श्री सालासर हनुमान उत्सव परिचालन समिति के अध्यक्ष एवं बंगाईगांव के जाने-माने शिक्षा गुरु डॉ. बांकेलाल शर्मा का एक गुरु के रूप में समिति के द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनको कर्म योगी की उपाधि से नवाजा गया। सर्वप्रथम उनका पाद प्रक्षाल कर गुरू वंदना की गई। दूसरी तरफ इस समारोह से जुड़े समाजसेवी एवं पत्रकार बिजनी निवासी सुनील कुमार शर्मा का भी अभिनंदन किया गया तथा उन्हें जन प्रहरी की उपाधि से नवाजा गया। इन दोनों व्यक्तियों के सम्मान समारोह के दौरान सभी भक्तों में भावुकता देखने को मिली। दोनों व्यक्तियों को सम्मान पत्र, दुपट्टा, माला एवं हनुमान जी की फोटो देकर सम्मानित किया गया। पूरे उत्सव के कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया जिसके लिए उन्हें सालासर धाम से आए बिनोद पुजारी ने समिति की तरफ से सम्मानित किया। तीनों दिन कार्यक्रम के दौरान निशुल्क बाबा का लकी ड्रा का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित भक्तों ने इसका भरपूर आनंद लिया। अंतिम दिन रविवार को निशुल्क लकी ड्रा में मेगा एवं बंपर मेगा पुरस्कार रखे गए थे।

नगांव में आयोजित दो दिवसीय गोपाष्टमी मेला संपन्न

नगांव (निसं)। श्रीगोपाल गौशाला में दो दिवसीय गोपाष्टमी पूरे श्रद्धापूर्वक मनाया गया। रविवार को प्रसिद्ध उद्योगपति गुवाहाटी निवासी कैलाश लोहिया ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर गायो के लिए एक नए शेड का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस मौके पर सम्माननीय अतिथि के रुप में जिला कृषि अधिकारी (प्रभारी) निखिल बरुवा उपस्थित थे। इसके पहले विधि विधान से गौशाला के नए शेड के द्वार पर नारियल फोड़ा गया। अतिथियों को फुलाम गोमछा व मुख्य अतिथि श्री लोहिया का जापी आदि से स्वागत किया गया। श्री लोहिया ने कहा कि श्री गोपाल गौशाला अध्यक्ष राधेश्याम लोहिया के नेतृत्व में पूरी सेवा प्रदान कर रही है। इस अवसर पर गौशाला के महासचिव राम अवतार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बंका, निवर्तमान अध्यक्ष सांवरमल खेतावत, पूर्व अध्यक्ष विजय लोहिया, शंकर लाल वर्मा, जुगल किशोर जाजोदिया, निवर्तमान सचिव राधारमण खाटूवाला, महावीर प्रसाद किल्ला, प्रदीप अग्रवाल, जगदीश धूत, विनोद पोद्दार, संजय पोद्दार, सी एल गुप्ता आदि उपस्थित थे। शाम को असमिया नाम कीर्तन से पूरा गौशाला गूंजायमान हो गया। प्रथम दिन भी असमिया नाम कीर्तन आदि ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। गौभक्तों ने गौमाता

को चारा भी खिलाया। कार्यक्रम में समाज के छोटे-छोटे बच्चों ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। जिसकी सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्यो का सराहनीय योगदान रहा।

गौड़ महिला समिति ने मनाया अपना पहला स्थापना दिवस

गुवाहाटी (विभास)। गौड़ महिला समिति ने अपना प्रथम स्थापना दिवस 125 महिलाओं के साथ मनाया सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन किया गया उसके बाद अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण व वरिष्ठ संस्थापक सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्वोत्तर के सुपरशीद संचालक महेन्द्र गौड़ ने किया फिर शुरू हुआ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन जिसमें गौड़ महिला समिति की सदस्याएं व उनके बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया साथ में एक अच्छा संदेश की जिस सदस्य के परिवार से ज्यादा सदस्य यानि बड़ा सयुंक्त परिवार प्रोग्राम में आया है उनको परशुराम भगवान का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया साथ में बाल कलाकार गायक रूद्र गौड़ ने अपने मधुर आवाज से शमा बंधी कई म्यूजिक के गेम खेलाए गए। प्रोग्राम की सयोंजीका रोमा रजनी शालू सुनीता पिंकी सीमा अनीता रिंकी रीना सरोज अर्चना शर्मा थी समिति सलाहकार कमला लाटा छाया तिवाड़ी ममता शर्मा उमा शर्मा माया शर्मा कोषाध्यक्ष स्वाति बासौतिया का योगदान रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन मंत्री ज्योति शर्मा ने दिया।

शातिर चोर गिरफ्तार 16 एलपीजी सिलेंडर बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की भंगागढ़ पुलिस ने एक शातिर चोर को 16 एलपीजी सिलेंडर के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान कामाख्या नगर के रोहित दास को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। उसके घर से चोरी के 16 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए। वहीं चोरी का समान खरीदने वाले तरुण नगर के रोहित अग्रवाल और जोजोली के बनजीत दास को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने चोरी के एलपीजी सिलेंडर के अलावा एक स्कूटी (एएस-02एल-6797), एक प्लायर, 1 लोहे का रॉड भी जब्त किया है। घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ / गुवाहाटी (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट पर कल शाम 6.30 बजे सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वनकाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रोहित निगम नाज जी और विशिष्ट अतिथि महाराष्ट्र इकाई की अध्यक्षा श्रीमती सुवर्णा अशोक जाधव जी थी। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन असम वनकाम के उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने की। वनकाम असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने मुख्य अतिथि को ससम्मान मंच पर आसन ग्रहण करवाया और परिचय मंच के सामने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात असम इकाई वनकाम के उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने मुख्य अतिथि का परिचय मंच के सामने रखा। सचिव हेमलता गोलछा ने बेहद ही मनमोहक स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद काव्य गोष्ठी का कार्यभार विनय ने संभालते हुए वरिष्ठ कवि सूचित सिंह को काव्य पाठ के लिए आमंत्रित किया। तत्पश्चात हेमलता गोलछा ने कुछ दोहे सुनाई, वरिष्ठ कवयित्री दीपा लिम्बू ने मन पर, मनीषा पॉल ने स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित कविता तो मणिपुर काव्य मंच के अध्यक्ष रोहित ने गांव शहर पर अपनी रचना सुनाई। श्रीमती इंदु ने बहुत ही सुरीले अंदाज में कविता सुनाई तो वहीं मुख्य अतिथि राजेंद्र निगम नाज ने एक से बढ़के एक शायरी सुनाई। जाकिर हुसैन बेलीम ने पैरोडी, सैयदा अनोवरा ने श्रृंगार रस में, कल्पना हलोई ने बोझ और विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुवर्णा अशोक जाधव ने बेटी व वटवृक्ष के दुख पर अपनी कविता सुनाई। अध्यक्षा श्रीमती आभा कुमारी चौधरी ने गांव पर और अंत में उपाध्यक्ष विनय कुमार बुद्ध ने वीर रस से ओत-प्रोत रचना सुनाई। इस मौके पर असम इकाई, वनकाम की सलाहकार ममता गिनोडिया भी मौजूद थी, उन्होंने अपने आशीष वचन से सभी को अनुगृहीत किया। अंत में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने सभी कवियों की प्रस्तुति को सराहा और अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि सभी ने अलग-अलग रसों से उनके अंतरंग को भीगों दिया। साथ ही उनके भविष्य की मंगल कामना करते हुए मंच को सफल काव्यगोष्ठी के लिए बधाई दी। विनय कुमार बुद्ध की सफल अध्यक्षता और संचालन के लिए भी अतिथियों में उन्हें विशेष रूप से बधाई दी। उसके तुरंत बाद आभा कुमारी चौधरी ने काव्यगोष्ठी की औपचारिक रूप से समापन की घोषणा की। कुल मिलाकर कार्यक्रम बेहद सफल, उत्साहवर्धक और भावपूर्ण रहा।

No.KDB-415/2023-2024/ *Dated Gurufela the 8th Nov., 2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees Eight and twenty five rupees) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractor Class-I (A, B, C) & Class-II Categories Assam P&RD and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC fund for the year 2024-25 as stated below. The tender will be received by the undersigned upto 2.00 PM of 01/12/2024 and will be opened on the next day at 3.00 PM.

Sl. No.	Name of Work	Location	Estimated value (Rs. In lakh)	Cost of bid document	Amount of bid security	Time of completion
1	2	3	4	5	6	7
1	Const. of community toilet at Suribari Bazar	Suribari	Rs. 10,47,960/-	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
2	Const. of community toilet at Raimona community hall	Raimona	Rs. 10,47,960/-	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months

Details N.I.T may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned tender will be issued to the contractors of their authorized agent from 11/11/2024 to 01/12/2024 in the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/banker's cheque from any Nationalized bank, duly pledged in favour of the BDO, Kachugaon Dev. Block, Gurufela.

Sd/- Block Development Officer,
Kachugaon Development Block, Gurufela

IPR(BTC)-2023-24/844

No.GDB-242/15th FC/Tied,/2022-23/ *Dated-Gossaigaon the 11th Nov./2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tender are invited in F-2 Form for the works shown below from the intending Registered Contractor of class-I and class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads & Building)/PHED with affixing Non-refundable court fee of Rs.8.25 (Rupees Eight and paise twenty five) only in a prescribed Form under Award of 15th FC (Tied Grant) (Grant No-66) & Repairing of 2 Nos Anganwadi Centres under SOPD-G Fund for the year 2024-25 The Tender will be received on 11-11-2024 up to 1:00 PM in the Office of the undersigned and will be opened on same day at 1:30 PM in the Office of the undersigned and C.S. will be submitted to the Director, P&RD, BTC, Kokrajhar for approval.

Sl. No	Name of work	Estimated amount	Bid Security	Cost of BID documents (D/D) @ 0.03% (Approx.)	Time of completion
1.	Const. of Community Toilet at Hagma Siv Mandir	Rs. 10,47,960/-	Rs.10,480/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.20,960/- @ 2% for General	Rs. 350/-	6(six) Months from the date of issue of work order.
2.	Const.of Community Toilet at Bongkulpur Holy Family	Rs. 10,47,960/-	Rs.10,480/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.20,960/- @ 2% for General	Rs. 350/-	
3	Repair of Bashbari No. 1 Anganwadi Centre	Rs. 1,40,000/-	Rs.1,400/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.2,800/- @ 2% for General	Rs. 50/-	
4	Repair of Babubil No. 1 Anganwadi Centre	Rs. 1,40,000/-	Rs.1,400/- @ 1% for ST/SC/OBC & Rs.2,800/- @ 2% for General	Rs. 50/-	

The Terms and Condition details may be seen at Notice Board in the Office of the Block Development Officer, Gossaigaon Development Block from **11-11-2024 to** 03-10-2024 up to 1:00 PM.

Sd/-Block Development Officer,
Gossaigaon Development Block,
Gossaigaon

IPR(BTC)-2023-24/846

संपादकीय

नेताओं के जहरीले बोल

कहावत है कि कमान से निकला तीर और जुबां से निकले शब्द कभी वापस नहीं हो सकते। हालिया चुनावों में 'तीर' तो नहीं हैं, लेकिन जुबां से निकले शब्द बेलगाम, अमर्यादित और अशालीन जरूर हो रहे हैं। तमाम लक्ष्मण-रेखाएं लांघी जा रही हैं। संवैधानिक पदों पर आसीन नेता भी अपशब्दों, अभद्र भाषा, मवालियों के व्यवहार का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन भारत का चुनाव आयोग महात्मा गांधी के तीन बंदरों की मुद्रा में है। जनप्रतिनिधित्व कानून की धाराएं हैं, आयोग को संवैधानिक अधिकार हासिल हैं, लेकिन आयोग 'दंतहीन' बना है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान से ही मौजूदा जहरीले बोलों को समझने की कोशिश करते हैं कि क्या इन आधारों पर भी चुनावी ध्रुवीकरण होता है? मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि बेटी से छेड़छाड़ की गई, तो उस आदमी का चौराहे पर ही इलाज कर देंगे-दे जूता, दे लात, दे घूंसा, दे डंडा आदि। क्या अब पदासीन मुख्यमंत्री के लिए यही कानूनी कार्यशैली और कानूनी संहिता बन गई है? सिर्फ यही नहीं, नेतागण गोली और लाठी की भाषा भी बोलने लगे हैं। आने वाले वक्त में एके-47 की गोली भी चलने लगे अथवा चुनाव में ग्रेनेड का भी इस्तेमाल किया जाने लगे, तो आश्चर्य मत करना। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां तक टिप्पणी की कि ईवीएम का बटन इतनी जोर से दबाना कि राहुल गांधी के गाल पर थप्पड़ पड़े। उप्र सरकार के एक मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के बारे में कह दिया कि उनकी सोच और कार्यशैली 'बंदर' जैसी है। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) के एक सांसद ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना की महिला उम्मीदवार को 'आयातित माल' कह दिया। यह महिला बीते 20-25 सालों से भाजपा के साथ जुड़ी हैं, लेकिन गठबंधन के तहत शिवसेना (शिंदे) के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। क्या कोई महिला 'माल' हो सकती है? महाराष्ट्र के ही पूर्व मुख्यमंत्री एवं मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे नारायण राणे ने बकरीद और दीपावली के एक संदर्भ में कह दिया कि आज बाला साहेब होते, तो उद्धव ठाकरे को गोली मार देते! हालांकि बिहार में चुनाव नहीं हैं, लेकिन राजद झारखंड में झामुमो गठबंधन के एक घटक के तौर पर चुनाव लड़ रहा है, फिर भी पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के इस बयान के निहितार्थ समझ के परे हैं- जब भैंस हमें नहीं पटक सकी, तो ये भाजपा वाले क्या पटकेंगे? एक राजद सांसद ने लाठी-डंडे से हड्डी तोड़ देने की बात कही है। इन जहरीले बोलों और गालीनुमा शब्दों की सूची बहुत लंबी है। देश 'मौत का सौदागर' और 'चौकीदार चोर है' जैसे जुमलों को नहीं भूला होगा। देश के प्रधानमंत्री मोदी को 'भस्मासुर', 'राक्षस', 'सांप', 'यमराज', 'बिच्छू', 'बंदर', 'अनपढ़', 'हिटलर', 'कमीना, 'रावण'' सरीखी गालियां भी हम भूले नहीं होंगे। मोदी ने एक राजनीतिक उम्मीदवार के नाते किन शब्दों का प्रयोग किया और वे कितने आपत्तिजनक और अनैतिक थे, देश उन्हें भी जानता है। सवाल है कि भाषा, मर्यादा, व्यवहार की ऐसी निरंकुशता पर नेतागण क्या वोट मांगेंगे? क्या उन्हें वोट मिलेंगे? ध्यान होगा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जुबान जरा-सी फिसल गई थी, उसी आधार पर अदालत ने उन्हें दो साल की सजा सुना दी। सांसदी भी रद्द कर दी गई थी। फिलहाल सर्वोच्च अदालत ने उस फैसले पर रोक लगा रखी है। नए लोकसभा चुनाव भी हो चुके हैं और अब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 में धारा 123 है, जिसके तहत धर्म, नस्ल, समुदाय, भाषा और घूस के आधार पर नफरत फैलाने, दुश्मनी करने को 'भ्रष्ट आचरण' माना गया है। चुनाव आयोग उस कानूनी प्रावधान के तहत चुनावी उम्मीदवार को दंडित कर सकता है। क्या चुनाव आयोग अपने अधिकारों को भूल गया है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे जन-प्रतिनिधि भी अपने पद की गरिमा भूल चुके हैं? गोली, लाठी, जूता, लात, थप्पड़, घूंसा आदि अपशब्दों से कौन-सा वोट बैंक लामबंद होकर किसी पार्टी विशेष के पक्ष में जाता है? इन शब्दों का प्रयोग करना किस किस्म की राजनीति है? यह चिढ़ है, घृणा है, दुश्मनी भी है, लिहाजा हमारे नेता अपशब्दों का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस रवायत पर या तो चुनाव आयोग नकेल कस सकता है अथवा सर्वोच्च अदालत स्वतः संज्ञान लेकर कोई फैसला सुना सकती है।

> संवैधानिक पदों पर आसीन नेता भी अपशब्दों, अभद्र भाषा, मवालियों के व्यवहार का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन भारत का चुनाव आयोग महात्मा गांधी के तीन बंदरों की मुद्रा में है। जनप्रतिनिधित्व कानून की धाराएं हैं, आयोग को संवैधानिक अधिकार हासिल हैं, लेकिन आयोग 'दंतहीन' बना है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान से ही मौजूदा जहरीले बोलों को समझने की कोशिश करते हैं कि क्या इन आधारों पर भी चुनावी ध्रुवीकरण होता है? मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि बेटी से छेड़छाड़ की गई।

सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी

महंगाई लक्ष्य के अनुरूप रखना जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन दीपावली के त्योहार के बाद भी नवंबर में प्याज और आलू के साथ अन्य सब्जियों के तेज दाम और खाने के तेल के दाम भी ऊंचे रहने से महंगाई बढ़ी हुई है। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय देश में खाद्य कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा बढ़ी है। विदेशों से देश में आयात की जा रही विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में इजाफे से भी महंगाई बढ़ी है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लंबी अवधि तक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के तहत रिजर्व बैंक के द्वारा ब्याज दरों की यथास्थिति, सरकार के महंगाई नियंत्रण के उपाय, अच्छे मानसून तथा स्थिर आपूर्ति श्रृंखला के अच्छे आधार के बावजूद सरकार को खुदरा महंगाई लक्ष्य के अनुरूप 4.5 फीसदी के दायरे में रखने की चुनौती के मद्देनजर नई बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढना होगा। गौरतलब है कि विगत 14 अक्टूबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज, टमाटर के साथ हरी सब्जियों की कीमतों में करीब 36 फीसदी वृद्धि तथा महंगी हुई दालों ने सितंबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर को नौ माह के उच्चतम स्तर 9.24 प्रतिशत पर पहुंचा दिया, जो कि माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल से सितंबर में थोक महंगाई दर भी 1.84 प्रतिशत पर पहुंची है, जो कि माह अगस्त में 1.31 प्रतिशत थी। खुदरा और थोक महंगाई मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि आलू, प्याज और टमाटर के दाम कम नहीं होने से जो खुदरा महंगाई दर पांच प्रतिशत के पार हो गई, वह इस माह नवंबर में भी पांच फीसदी के पार जा सकती है। हमें देश में महंगाई की चिंता इसलिए भी करनी है, क्योंकि वैश्विक बाजार में पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढने की आशंका बनी हुई है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा, क्योंकि

भारत अपनी तेल की जरूरतों के करीब 80 फीसदी तक आयात पर निर्भर है। एक चिंताजनक बात यह भी है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। यह वैश्विक यातायात का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मार्ग है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से ग्लोबल सप्लाई चैन प्रभावित हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में अब एक बार फिर सरकार को महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी नई रणनीति की डगर पर आगे बढना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में विगत 9 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक की क्रेडिट पॉलिसी कमेटी बैठक में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत में महंगाई बढने के जोखिम के मद्देनजर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। यह लगातार 10वीं बार है जबकि रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट 6.50 प्रतिशत पर बरकरार है और बैंक रेट 6.75 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। इस मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में तेज विकास दर की बजाय महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी गई है। अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दो माह बाद दिसंबर 2024 में भी आरबीआई ब्याज दरों में कटौती करने की स्थिति में नहीं होगा। निश्चित रूप से इस बार देश में अच्छे मानसून से खाद्यान्न, दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ेगा और इनकी सप्लाई बढने से इनकी कीमतें कम होंगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मौद्रिक प्रबंधन और सरकार के द्वारा तत्परता से खाद्यान्न निर्यात नीति और स्टॉक सीमा निर्धारण सहित विभिन्न उपाय बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण कर सकेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के करोड़ों किसानों को उनकी रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में जो भारी बढ़ोतरी की है। उससे ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई की मार झेल रहे किसानों को लाभ होगा। साथ ही सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन फीसदी का जो इजाफा किया गया है, उससे कर्मचारियों को महंगाई से राहत मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक खाद्य महंगाई नियंत्रण के लिए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत की गई व्यवस्थाओं का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए 10000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जहां इस कोष का उपयोग दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाएगा, वहीं जरूरी होने पर इन अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष के बजट के तहत इस वर्ष खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग के लिए ऋणों की राशि दोगुनी करके 50000 करोड़ रुपए सुनिश्चित की गई है, जो उल्लेखनीय है। निश्चित रूप से खाद्य पदार्थों की महंगाई रोकने के लिए सरकार के द्वारा तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन उपायों पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी होगा। इस समय ग्रामीण भारत में जल्द खराब होने वाले ऐसे कृषि उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला बेहतर करने पर प्राथमिकता से काम करना होगा, जिनकी खाद्य महंगाई के उतार-चढ़ाव में ज्यादा भूमिका होती है। ऐसे में सरकार को खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ कृषि उपज की बर्बादी को रोकने के बहुआयामी प्रयासों की कारगर रणनीति पर आगे बढना होगा। चूंकि देश में फसल कटाई के बाद की उपयुक्त व्यवस्था न होने से 12 से 14 फीसदी तक खाद्यान्न और करीब 35 फीसदी तक सब्जी और फलों की पैदावार बर्बाद हो जाती है, ऐसे में इस बर्बादी को रोकने के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग की कारगर व्यवस्था की डगर पर बढना होगा। हम उम्मीद करें कि इन विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से देश में खुदरा महंगाई को नियंत्रित किया जा सकेगा और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में खुदरा महंगाई लक्ष्य के अनुरूप 4.5 फीसदी तथा आगामी वर्ष 2025-26 में चार फीसदी के दायरे में रहते हुए दिखाई दे सकेगी। ऐसी स्थिति से जहां देश के आम आदमी को राहत मिलेगी, वहीं अर्थव्यवस्था को भी गतिशीलता मिलेगी। महंगाई को रोकना वक्त की मांग है। मध्यम वर्ग सर्वाधिक प्रभावित वर्ग है।

> त्योहार के बाद भी नवंबर में प्याज और आलू के साथ अन्य सब्जियों के तेज दाम और खाने के तेल के दाम भी ऊंचे रहने से महंगाई बढ़ी हुई है। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय देश में खाद्य कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा बढ़ी है। विदेशों से देश में आयात की जा रही विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में इजाफे से भी महंगाई बढ़ी है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लंबी अवधि तक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है।

दृष्टि कोण

मेले की घटती प्रासंगिकता और पुनर्जीवित करना

लवी मेला हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर शहर में आधिकारिक तौर पर 11 नवंबर से 14 नवंबर तक आयोजित होने वाला एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का मेला है। यह मेला सदियों पुरानी परंपराओं और व्यापारिक गतिविधियों का प्रतीक रहा है। 1911 से कुछ वर्ष पूर्व रामपुर में तिब्बत और हिंदुस्तान के बीच व्यापार शुरू हुआ। उस समय राजा केहरी सिंह ने तिब्बत सरकार के साथ व्यापार को लेकर संधि की थी। व्यापार मेले में करमुक्त व्यापार होता था। लवी मेले में किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से व्यापारी पैदल पहुंचते थे। तब लवी मेले में करमुक्त व्यापार होता था। यह मेला न केवल व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र था, बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक जुड़ाव का भी प्रतीक था। यहां पर ऊनी कपड़े, पश्मीना, शॉल, जड़ी-बूटियां और स्थानीय हस्तशिल्प का व्यापार बड़े पैमाने पर होता था। यह मेला पर्यटकों और व्यापारियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र था। हाल के वर्षों में लवी मेले की लोकप्रियता और प्रासंगिकता में धीरे-धीरे कमी देखी जा रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे आधुनिकता और बदलती जीवनशैली। लोगों की जीवनशैली में बड़े पैमाने पर परिवर्तन आया है। परंपरागत वस्तुएं, जो कभी इस मेले का प्रमुख हिस्सा थीं, अब कम लोग खरीदते हैं। आधुनिक बाजारों और ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में इस मेले की व्यापारिक उपयोगिता निश्चित ही घट गई है। लवी मेला अपने पारंपरिक रूप में मुख्य रूप से व्यापार पर आधारित था, लेकिन अब यह एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में अधिक देखा जाता है। साथ ही, कई अन्य पर्यटन स्थलों के विकास के कारण इस मेले में आने वाले आगंतुकों की संख्या में गिरावट आई है। दूसरा प्रशासन और व्यापारियों के बीच समय पर संवाद न होना। इस वर्ष भी प्लाट महंगे होने को लेकर व्यापारियों और प्रशासन के बीच तनातनी बनी रही। इस मेले की खोई प्रासंगिकता को वापस लाने के लिए कुछ तो प्रयास करने होंगे। व्यापार और संस्कृति का सांझा संतुलित आदान-प्रदान कैसे हो, इसे प्रशासन और लोगों को भी समझने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में कुछ मेले और त्योहार ही तो अंतरराष्ट्रीय हैं। इस बार हिमाचल में इंटरनेशनल कुल्लू दशहरा में 17 देशों के सांस्कृतिक दलों ने कल्चरल परेड निकाली। यह जिला प्रशासन पर भी निर्भर करता है कि किस तरह इन मेलों को अधिक लोगों के मध्य आकर्षण का केंद्र बनाया जाए। इसी के समानांतर अब लवी मेले में अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को लाया जाना चाहिए, ताकि इस मेले के खोए आकर्षण को वापस प्राप्त किया जा सके। मुख्यमंत्री बनने के बाद वीरभद्र सिंह ने वर्ष 1985 में इस मेले को अंतरराष्ट्रीय मेला घोषित किया था। उनकी दूरदर्शी सोच के साथ यह मेला फल-फूल रहा था । अब समय के साथ-साथ लवी मेले का स्वरूप भी बदल गया है। अंतरराष्ट्रीय लवी मेले में तिब्बत, अफगानिस्तान और उज्बेकिस्तान के व्यापारी कारोबार करने के लिए आते थे। वे विशेष रूप से ड्राई फ्रूट, ऊन, पशम और भेड़-बकरियों सहित घोड़ों को लेकर यहां आते थे। बदले में व्यापारी रामपुर से नमक, गुड़ और अन्य राशन लेकर जाते थे। यह नमक मंडी जिले के गुम्मा से लाया जाता था। लवी मेले में 4 नवंबर से 6 नवंबर तक घोड़ा दौड़ के साथ चामुर्थी घोड़ों का भी कारोबार किया जाता था। ये घोड़े उत्तराखंड से लाए जाते थे। अब यह मेला किन्नौर जिले से ही लाकर खासकर सूखे मेवों के लिए ही जाना जाता है। इसमें अब किसी भी तरह का अंतरराष्ट्रीय स्तर शेष नहीं बचा है। अब यह मेला कबाड़ी पुराने वस्त्रों तक ही सीमित रह गया है। साथ ही जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियां जैसी समस्याएं भी हैं। हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन का भी प्रभाव पड़ा है।

कुछ अलग

उल्लास के साथ पर्यावरणीय जवाबदेही भी

पांच दिन की दिवाली पर्व श्रृंखला उत्साह सहित भैया दूज के साथ संपन्न हो गयी। भारत एक ऐसा देश है, जहां संस्कृति और लोक उत्सवों के प्रति गहरी श्रद्धा है, और ये उत्सव समाज को उमंग और खुशी से भर देते हैं। लेकिन अब जबकि उत्सव संपन्न हो चुके हैं, केवल उसकी परछाइयां बची हैं—घुटन भरा धुआं, खांसते हुए लोग और स्वास्थ्य पर असर डालते प्रदूषण के कारण बीमार होते बच्चे-बुजुर्ग। यह चित्र उत्सवों के बाद की कड़वी हकीकत को उजागर करता है, जब खुशियां भी स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भारी पड़ने लगती हैं। हाल ही में एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और कूड़े के निस्तारण में निरंतर असफलता के कारण देश की जलवायु पर गंभीर असर पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप भारतीयों की औसत आयु में वृद्धि नहीं हो पा रही है, और नई पीढ़ी के बच्चे छोटे कद के पैदा हो रहे हैं। यह जलवायु संकट का सीधा प्रभाव है, जो स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित कर रहा है। मौसमी बीमारियां अब महामारियों के रूप में उभरने लगी हैं। कभी मलेरिया था, जो अब बढ़कर डेंगू बन गया है। कोविड महामारी ने देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर कर दिया था, और जैसे ही उसका दबाव कुछ कम हुआ, मंकीपॉक्स और बिगड़ा हुआ टायफायड नई समस्याएं बनकर उभरे हैं। इन बीमारियों ने देश की स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है, जिससे समाज का स्वास्थ्य और जीवनशैली प्रभावित हो रही है। इस बीच, दिवाली के लिए बड़े-बड़े वादे किए गए थे कि इस बार पटाखा रहित, धुआं रहित दिवाली मनाई जाएगी, और लोग शांतिपूर्वक, कानूनी सीमाओं में रहते हुए खुशियां मनाएंगे। लेकिन असलियत यह है कि उत्सवों में शोर-शराबा और प्रदूषण पर नियंत्रण पाना अभी भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। दिल्ली और उत्तर भारत के कई शहरों में घुटन का सामना हो रहा था, जिसकी मुख्य वजह पंजाब में पराली जलाना था। सरकारों ने कड़े कदम उठाने का वादा किया था, लेकिन उत्सव के दौरान कानूनी ढील के कारण पराली जलाने की घटनाएं बढ़कर 4 हजार से अधिक हो गईं। दिवाली के बाद इन घटनाओं में 216 नई घटनाएं जुड़ गईं, और संगरूर जैसे खुले इलाके में 59 घटनाएं दर्ज की गईं। प्रदूषण के अन्य कारण भी स्पष्ट हो गए, जैसे बिगड़ी हुई गाड़ियाँ, उनके जहरीले धुएं, अधबनी सड़कों से उड़ती धूल और बढ़ते कूड़े के ढेर। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर थे, और कूड़ा निस्तारण के लिए जरूरी मशीनें या तो मौजूद नहीं थीं, या उनके चलाने वाले प्रशिक्षकों की कमी थी। इस प्रकार, उत्सवों के बाद की नई जिंदगी की उम्मीदें जल्दी ही विफल होती दिखाई दीं, और यह स्थिति निराशा का कारण बन गई। यह बेतुकी आहें अवैध पटाखों के व्यापार से उत्पन्न हो रही थीं, जो स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जारी रहे। लाइसेंसधारी व्यापारियों के लिए निर्धारित नियमों के बावजूद गली-गली और बाजारों में छिपाकर पटाखों का संग्रह कई दिनों तक चलता रहा, जिससे प्रदूषण और मौसम की विषाक्तता बढ़ती गई। दिवाली तो मनाई जा चुकी है, लेकिन उसके प्रभावों ने समाज के माहौल और देश की आर्थिक स्थिति पर गहरी खरोंचें छोड़ दी हैं। इस दिवाली से उम्मीद थी कि बाजारों में मंदी का असर खत्म हो जाएगा और त्योहारों के उत्साह में खरीदारी से कम मांग का विरोधाभास नहीं दिखाई देगा। सचमुच, दिवाली और उसके बाद के सप्ताह में मांग बढ़ी, लेकिन यह बढ़ोतरी प्रीमियम वस्तुओं में हुई।

देश दुनीया से

मोदी और ट्रंप से प्यार और खार के द्वंद्व

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका में इन दिनों ठीक वैसी भावनाओं की तीव्रता उमड़ रही है जैसी पिछले एक दशक में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में अनुभव हुई है। वहां की तथाकथित 'उदारवादी प्रेस' ने ट्रंप के जीतने पर एक अंधकारमय, प्रलंयकारी परिदृश्य को चित्रित करने के लिए अपनी हदें पार कर दीं, जबकि ट्रंप समर्थक तथाकथित 'रूढ़िवादी मीडिया' – जिसकी अगुवाई एलन मस्क का सोशल मीडिया मंच एक्स कर रहा था–उसने अमीरों के कुलीन पहनावे वाले व्यक्ति (ट्रंप) की छवि चमकता बख्तरबंद पहने एक योद्धा के रूप में पेश की, जो बचाने आया है। यह हैरानी भरा भाव है कि जिस प्रकार का भावनात्मक मिश्रण मोदी के प्रति भारत में दिखता है, उससे मिलता-जुलता ट्रंप के लिए भी दिखा। मोदी द्वारा 2014, 2019 और 2024 में पाई सफलता में चुनावी उल्लास बनाम उदासी भरा आक्रोश, तीनों बार एक पहचान रही। निश्चित रूप से, यह स्पष्ट है कि भारत में भी, अमेरिका की तर्ज पर ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तित्व -मोदी और ट्रंप – के वजन के तले खुशहाल मध्य वर्ग का हिस्सा काफी हद तक गायब हो गया है। बड़ा सवाल यह है कि क्योंकर मीडिया और चुनाव-पंडितों, दोनों के अनुमान लगातार गलत निकल रहे हैं। क्या हमें मोदी और ट्रंप को खारिज करना इतना भाता है कि हम वास्तव में यह देखने और सुनने से इनकार कर रहे हैं कि जिन लोगों के विचारों, इच्छाओं और चिंताओं को हम व्यक्त करने का दावा करते हैं, वे वास्तव में क्या कहते हैं? अमेरिका की तरह – जहां चुनाव-पंडितों ने दौड़ को बराबरी पर ला दिया था, अख़बारों ने तो फ्लोरिडा में ट्रंप द्वारा विजय-भाषण देने के बहुत बाद तक यह मानने से इनकार किए रखा कि वे जीत गए हैं – भारत में भी, हममें से कइयों ने अपने दिल को अपने दिमाग पर हावी होने दिया, संयोगवश दोनों दिशाओं में। साल 2014 और 2019 में, हम यह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि भारतीय अपने दोनों हाथों से मोदी को वोट दे रहे हैं, साल 2022 में, हमने यह मानने से इनकार कर दिया कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जीत हासिल की है – हमने कहा, क्या कोविड-19 के दौरान हुई हज़ारों मौतें इस बात का सुबूत नहीं हैं कि ईश्वर स्वयं उनके खिलाफ हो गए हैं? साल 2024 में, हमें उतनी ही हैरानी हुई जब उसी उत्तर प्रदेश ने खुद को पूरी तरह से भाजपा को सौंपने से इनकार कर दिया। इन तमाम मामलों में, हमने खुद को मुगालतों में इतनी गहराई तक डुबो दिया कि ज़मीनी हकीकत पर ध्यान देने से आंखें मूंद लीं। इससे भी बदतर, एक बार जब ये जनादेश हमारे सामने थे, तब भी हममें से कई लोगों ने उन्हें सीधे तौर पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हमने जोर देकर कहा कि मोदी और ट्रम्प के साथ कुछ तो गड़बड़ है – जो सच हो भी सकता है और नहीं भी। बदतर यह कि, हम राहुल गांधी या कमला हैरिस में से किसी पर भी वही सख्त पैमाना लागू करने से बचे। तो आइए, आज तथ्यों का सामना करें। तथ्य यह है कि हैरिस इसलिए हारी क्योंकि उसने किसी भी मुद्दे पर डटने की कोशिश नहीं की– भले ही ट्रम्प का कई मामलों में नाम है, उनकी छवि यौन उच्छृंखलता के आरोपों वाली है या इससे भी अधिक बुराइयां होने की है, लेकिन कम से कम उन्होंने इमिग्रेशन बंद करके (जो भारत के लिए बुरी खबर है) अमेरिका में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने का वादा किया। जहां तक राहुल का सवाल है, तथ्य यह है कि मेरे जैसे लोग डिनर के दौरान सियासत पर चर्चा में बेशक उनके कई विचारों से दिल से सहमत होंगे, लेकिन संकोचपूर्वक यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा कौन सा मुद्दा है, जिसके लिए वे लड़ मरने को तैयार हों। अमेरिका और भारत जैसे प्रदूषित लोकतंत्र में बल्कि ट्रम्प और मोदी जैसी शख्सियतों को चुनना पसंद करेंगे क्योंकि वे इसकी गिरावट या रूपांतरण से समाज को मिली अराजकता का सरलीकरण करने में सक्षम हैं। जिन लोगों को हम चुनते हैं उनके जीवन के स्याह पक्षों को अनदेखा कर देते हैं–चाहे यह 6 जनवरी, 2021 को अमेरिका के सत्ता केंद्र यानि व्हाईट हाउस पर ट्रंप समर्थकों का हमला हो या फिर 2002 में गुजरात में घटा दुःस्वप्न हो- क्योंकि हम उनके वर्तमान आश्वासनों में यह सुकून ढूंढ़ते हैं कि वे हमारे मौजूदा कठिन जीवन को बेहतर बनाएंगे। वे हमें सहज ढंग से यह पेश करते हैं। उनके विरोधियों पर यकीन करने से अधिक हमें उन पर अविश्वास कम होता है। मतदाताओं ने ट्रंप को वोट देने की एक वजह यह बताई – यहां तक कि डेमोक्रेट पार्टी के रिवायती समर्थक दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के अश्वेत लोगों की बहुलता वाले जिले भी लगभग पूरी तरह से उनके पक्ष में चले गए, इसके अलावा उनके लेटिन वोट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ – क्योंकि उनका मानना था कि डेमोक्रेट्स अपने मतदाताओं को हल्के में लेने लगे हैं। यह कुछ सुना-सुना सा लगता है न? निश्चित रूप से यह राहुल की कांग्रेस की तरह है, खासकर वे जो शिकायत कर रहे हैं कि हरियाणा में ईवीएम में धांधली थी। मतदाताओं ने हैरिस के खिलाफ रुख दिखाया, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मामले में किया, जब उन्होंने अपनी पार्टी के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और बीरेंद्र सिंह जैसे नाराज़ नेताओं को साथ लेकर चलने से इनकार कर दिया। हरियाणा के हर निर्वाचन क्षेत्र के अपने माइक्रो-मैनेजमेंट से गैर-जाट वोटों पर ध्यान केंद्रित करने वाली भाजपा की तरह, डाटा दिखाता है कि ट्रंप ने पिछले 40 वर्षों में किसी भी अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार की तुलना में अधिक गैर-श्वेत वोट जीते हैं। बदतर कि जब यूपी में भाजपा ने 29 सांसद गंवाए और इसके परिणामवश लोकसभा में बहुमत, तो कांग्रेस इसका राग अलापना नहीं छोड़ा, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने जल्द बूझ लिया कि आधे-अधूरे नीतिगत निर्णयों जैसी कोई अवस्था नहीं होती इसलिए वे बतौर प्रधानमंत्री वह सब करने में सक्षम हैं जो पूर्ण बहुमत के साथ करते। लिहाजा अपनी सत्ता को मजबूत करने और यूपी का बदला चुकाने का एकमात्र रास्ता आने वाले प्रांतीय चुनावों को जीतना है-हरियाणा हो या महाराष्ट्र या फिर झारखंड।

आप का नजरीया

प्रदूषकों को दंड

ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने तथा स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिये प्रतिबद्ध है, तो देश के विभिन्न संस्थानों व विभागों को भी पहल करनी चाहिए। सरकार के प्रयासों के बीच राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण यानी एनजीटी द्वारा वायु व मिट्टी प्रदूषण फैलाने के लिये पानीपत थर्मल पावर स्टेशन पर 6.93 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाना, तमाम प्रदूषक उद्योगों के लिये सबक है। ट्रिब्यूनल की कार्रवाई कानूनों का उल्लंघन करके पर्यावरण व जन-स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वालों के लिये संदेश है कि लक्ष्मण रेखा पार की तो बख्शे नहीं जाएंगे। पर्यावरण को क्षति पहुंचाने पर भारी मुआवजा देना होगा। दरअसल, इस थर्मल प्लांट से निकलने वाली राख आस-पास के ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है। जिससे श्वसन समेत कई तरह के रोग बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर प्रदूषण के चलते दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर एनजीटी ने थर्मल प्लांट के प्रबंधकों द्वारा पर्यावरण की क्षतिपूर्ति के लिये पेड़ों को लगाने में की गई खानापूर्ति को आड़े हाथ लिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप ने पौधे लगाने का दावा तो किया है लेकिन क्या सुनिश्चित किया है कि उन पौधों में से कितने पेड़ बन पाए। हरित न्यायाधिकरण का कहना था कि पौधरोपण से ज्यादा महत्वपूर्ण पेड़ों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करना है। यह उपाय पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषकों के निवारण के आधे-अधूरे प्रयासों को ही उजागर करता है। निश्चित रूप से एनजीटी की जुर्माना लगाने की यह कार्रवाई प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपने तौर-तरीके बदलने को बाध्य करेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पिछले एक दशक में तेल व गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी कम करने की दिशा में सार्थक पहल की है। लेकिन अभी भी स्वच्छ ऊर्जा से बिजली क्षमता का आधा हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बड़े प्रयासों की जरूरत है। तभी भारत वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने के लक्ष्य को हासिल कर पाएगा। जलवायु परिवर्तन सम्मेलन तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता व सब्सिडी कम करने पर बल देते रहे हैं। निस्संदेह, स्वच्छ ऊर्जा के स्थायी विकल्पों में निवेश करने से प्रदूषण से पैदा होने वाली बीमारियों पर अंकुश लग सकेगा। इसके साथ ही हम लक्षित कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रही दुनिया में जन स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि प्रदूषण के कारकों की नियमित निगरानी हो व कानून के क्रियान्वयन में सख्ती से उद्योगों की जवाबदेही तय की जा सकेगी। जिससे हम प्रकृति के अनमोल संसाधनों हवा, पानी और मिट्टी को जहरीला बनने से रोक पाएंगे। इसमें दो राय नहीं कि पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के आपातकाल से बचने के लिये शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण नितांत जरूरी है। हाल में पराली जलाने पर जुर्माना दुगना करने की नीति को इसी आलोक में देखना चाहिए। लेकिन साथ ही किसानों को पर्याप्त विकल्प भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया मामला
सफाई कर्मचारियों ने किया नगरीय विकास मंत्री खर्रा के निवास के बाहर प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में लागू किए गए नियमों में संशोधन की मांग को लेकर सोमवार को नगर निगम के सफाई कर्मचारी संगठन से जुड़े लोगों ने नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। इस विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए वहां मौजूद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इसके साथ ही प्रदर्शन करने वाले संगठन से जुड़े कुछ पदाधिकारियों को भी हिरासत में लिया। जानकारी के अनुसार जयपुर नगर निगम सफाई कर्मचारी के एक संगठन ने सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में लागू एक नियम का विरोध करने के लिए यूडीएच मंत्री के निवास पर सोमवार दोपहर पहुंचे। यहां पहुंचने पर कर्मचारियों ने यूडीएच मंत्री के निवास के बाहर धरना दिया और हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लहराते हुए नारेबाजी। इन तख्तियों पर भर्ती में अनुभव प्रमाण पत्र पर समक्ष अधिकारी के हस्ताक्षर की बाध्यता को हटाने का उल्लेख किया गया। प्रदर्शन कर रहे संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि इससे नगर निगम में भ्रष्टाचार पनपेगा। जो भी अभ्यर्थी अनुभव प्रमाण पत्र लेकर अधिकारी के पास जाएगा तो वह उस पर हस्ताक्षर करने से पहले रिश्वत मांगेगा। काफी देर तक विरोध-प्रदर्शन चलने के बाद वहां मौजूद पुलिस कर्मचारियों ने समझाइश की और उन्हें वहां से हटने के लिए कहा। बार-बार समझाइश नहीं करने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। गौरतलब है कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने प्रदेशभर में 23 हजार 820 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकली है। लेकिन इस भर्ती में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास एक साल का सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करने का सर्टिफिकेट (अनुभव प्रमाण पत्र) होना अनिवार्य है। अनुभव प्रमाण पत्र जो कॉन्ट्रेक्ट फर्म या ठेकेदार के जरिए अभ्यर्थियों को दिए जाएंगे। उस पर संबंधित नगर निगम के समक्ष स्तर के अधिकारी उपायुक्त या सीएसआई से वेरीफाई करवाना होगा। इस वेरिफिकेशन में अधिकारी उक्त अभ्यर्थी से कम के बदले काटे गए पीएफ-ईएसआई का रिकॉर्ड भी मांगेगा।

कांग्रेस आदिवासियों की भावनाओं को भड़काती है, भाजपा आदिवासियों की सच्ची हितैषी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री की डूंगरपुर में चुनावी सभा

डूंगरपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को कभी भी आदिवासी भाई-बहिनों की चिंता नहीं रही। वे झूठ बोलकर भावनाओं को भड़काकर अपना काम निकलवाते हैं। इन्हें आदिवासियों के हितों से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन हमारी पार्टी आदिवासियों के सपनों पर कुठाराघात नहीं होने देगी। वागड़ राजस्थान के मस्तक पर मुकुट के समान है। हमारी सरकार के लिए इस क्षेत्र का विकास सबसे पहली प्राथमिकता है। शर्मा सोमवार को विधानसभा उप चुनाव के तहत डूंगरपुर में चौरासी के भाजपा प्रत्याशी कारीलाल ननोमा के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां के युवा विधायक को जब कांग्रेस ने परेशान किया था, तब भारतीय जनता पार्टी उनके साथ खड़ी थी। कांग्रेस से यह पूछा जाना चाहिए कि राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने आदिवासी समाज का साथ दिया था या नहीं। कांग्रेस का यह दोगला चरित्र किसी से छिपा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमारे भोले-भाले आदिवासी भाई-बहिनों को बहका रहे हैं, उन पर हमारी पूरी नजर है। मेरे मन में इस समाज के लिए बहुत आदर है तथा भाजपा ही आदिवासियों की सच्ची हितैषी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ने कभी भी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मुझसे संपर्क नहीं किया है क्योंकि उन्हें आदिवासी लोगों के हितों से कोई सरोकार नहीं है। इसके बावजूद गत करीब 11 महीनों में हमनें वागड़ के विकास के लिए कई निर्णय लिए हैं। टीएसपी फंड को एक हजार करोड़ से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपए करना, वनाधिकार अधिनियम के तहत लगभग दो हजार 600 प्रकरणों का निस्तारण, उदयपुर में वीर बालिका कालीबाई संग्रहालय का निर्माण, राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों तथा आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को मैस भत्ता 2500 से बढ़ाकर 3000 करने जैसे निर्णय किए गए हैं जिससे आदिवासी समाज सशक्त हो सके। साथ ही, हम प्रत्येक आदिवासी युवा के लिए कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अवसर भी सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है तथा प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी तरीके से काम करना शुरू कर दिया है। जहां सरकारी नौकरी के लिए दो साल का भर्ती कैलेण्डर जारी हुआ है, वहीं पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां, निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार के अवसर तथा इस वर्ष एक लाख सरकारी नौकरी की भर्ती जैसे निर्णय हमनें लिए हैं, जिससे युवाओं के सपनों को पंख लग सके। हमने अपने गत 11 महीनों के कार्यकाल में महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेण्डर, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत दी जाने वाली राशि में वृद्धि की है, जिससे वंचित वर्ग को आर्थिक संबल मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आदिवासियों के प्रति अपार सम्मान है। इसके लिए उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान को याद करने के लिए 15 नवंबर को आदिवासी गौरव दिवस मनाने की घोषणा की है और उनके नाम पर भव्य संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। राजस्थान में भी यह दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वागड़ की भूमि बहुत उपजाउ है। यहां राज्य सरकार कृषि के साथ उद्योग लगाने को भी प्राथमिकता दे रही है। जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिले। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में इस क्षेत्र में पानी, बिजली तथा रेलवे का सुदृढ़ीकरण हुआ है। उन्होंने जनता से ननोमा को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। जनसभा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद सीपी जोशी, चुन्नीलाल गरासिया, विधायक शंकरलाल डेचा, पुष्पेन्द्र सिंह, कैलाशचन्द्र मीणा, पूर्व विधायक सुशील कटारा, अनिता कटारा सहित पार्टी पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

कांग्रेस की झूठ की गारंटी पर कोई नहीं करता भरोसा : नायब सैनी
महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार करेंगे हरियाणा के मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि पूरे देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। इसी गारंटी के बल पर देश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री सैनी सोमवार को चंडीगढ़ में विधानसभा की बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जिस तरह से हरियाणा की जनता ने रिवाज बदलकर तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई है, उसी तरह से महाराष्ट्र व झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनने जा रही है। सैनी ने कहा कि वह दो दिन महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार करेंगे। इसके बाद फिर से जहां हाईकमान के निर्देश होंगे, वहां प्रचार करेंगे। सैनी ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने भाजपा पर भरोसा करके तीसरी बार सरकार बनाई है। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने कई तरह के झूठ फैलाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि आज देश के लोग यह मान चुके हैं कि कांग्रेस जो भी कहेगी वह झूठ की गारंटी होगी। इसके अधिक कुछ नहीं होगा। कांग्रेस झूठे वादे करते समय सभी सीमाएं लांघ जाती है।

मुझे भरोसा दिया-गोल्डी और गोदारा को भारत लाकर गोली मारेंगे : गोगामेड़ी की पत्नी

बाड़मेर (हिंस)। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत ने सोमवार को कहा कि पति के मर्डर केस में चार्जशीट पेश कर दी गई है। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा के नाम हत्याकांड में हैं। उनके कनाडा में होने का अंदेशा है। सरकार ने भरोसा दिलाया था कि दोनों गैंगस्टर को जल्द पकड़ लेंगे। हमें भरोसा दिया गया है कि गोल्डी और गोदारा को भारत लगाकर या तो उनका एनकाउंटर कर देंगे या फांसी की सजा देंगे। इस आश्वासन पर एक साल निकाल दिया है। आगे कोई गड़बड़ होती है तो करणी सेना अपने हिसाब से चलेगी। सेना के सदस्य क्या करेंगे यह तो समय बताएगा। पांच दिसंबर को जयपुर स्थित आवास पर राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई थी। उनकी पहली पुण्यतिथि पर पैतृक गांव गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की ओर से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की आदमकद मूर्ति लगाई जाएगी। साथ ही एक स्मारक का उद्घाटन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए सर्व समाज को न्योता देने सुखेदव सिंह की पत्नी शीला शेखावत पूरे प्रदेश में घूम रही हैं। इसी कड़ी में सोमवार को वे बाड़मेर पहुंचीं थीं। यहां चौहटन रोड पर एक होटल में सुबह 10.30 बजे उन्होंने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन करने के बाद पत्रकारों से बात की। शीला शेखावत ने कहा कि मूर्ति अनावरण और स्मारक स्थल को लेकर पोस्टर का विमोचन किया है। 5 दिसंबर को सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पहली पुण्यतिथि पर कार्यक्रम होगा। गोगामेड़ी में सुखदेवजी की आठ फीट की अष्टधातु की मूर्ति स्थापित की जाएगी। इसे लेकर तैयारियां चल रही हैं। मैं सर्व समाज के लोगों को आने का न्योता देती हूं। गैंगस्टर लॉरेंस के एनकाउंटर पर इनाम रखने वालों को लेकर शीला शेखावत ने कहा कि किसी की हत्या पर इनाम रखने वालों से हमारा कोई सरोकार नहीं है। उनका संगठन अलग है। इनाम की घोषणा करना उनका व्यक्तिगत विचार है। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को लाखों लोग चाहते थे। कोई भाई क्या एलान करता है, यह उस पर निर्भर है।

हवाई अड्डों पर सिखों को कृपाण पहनने की पाबंदी तुरंत हटाई जाए : स्पीकर संधवां

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्र सरकार के हवाई अड्डों पर काम करने वाले अमृतधारी सिख कर्मचारियों पर कृपाण पहनने की पाबंदी की कड़ी निंदा हो रही है। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने इस मामले को हल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। सोमवार को एक बयान जारी संधवां ने कहा कि केंद्र सरकार का अमृतधारी सिखों की धार्मिक (चिन्ह) निशानियों के पहनने पर लगाई पाबंदी एक गलत निर्णय है, जिसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन विभाग भी इस सिख-विरोधी निर्णय को वापस लेने के लिए आवश्यक कदम उठाए। स्पीकर ने कहा कि सिख हमेशा मेहनत में विश्वास करते हैं और अपने धार्मिक आस्थाओं में भी दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न धर्मों, नस्लों और जातियों का संगम है। उन्होंने कहा कि जिस देश का संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, उस देश में प्रत्येक नागरिक को धार्मिक प्रतीक या निशानी पहनने पर पाबंदी लगाना बिल्कुल भी उचित नहीं है। संधवां ने कहा कि सिखों ने देश की आजादी के संघर्ष में बेमिसाल बहादुरी दिखाई है और देश तथा मान-सम्मान के लिए अपनी जानें कुर्बान की हैं। उन्होंने कहा कि उसी देश की वर्तमान सत्ताधारी सरकार सिखों की धार्मिक निशानियों के पहनने पर पाबंदी लगा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय सिखों के धार्मिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप हैं, जिससे केंद्र सरकार को बचना चाहिए। स्पीकर स. संधवां ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस निर्णय को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए और हवाई अड्डों पर काम करने वाले अमृतधारी सिखों को विरासती धार्मिक प्रतीक कृपाण पहनने की आजादी दी जाए।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के 26 फॉलोअर्स पर छापेमार कार्रवाई

बीकानेर (हिंस)। संगठित अपराध की गतिविधियों को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सौरभ तिवाड़ी की अगुवाई में गैंगस्टर रोहित गोदारा के 26 फॉलोअर्स पर छापेमार कार्रवाई की गई है। एएसपी तिवाड़ी ने बताया कि गैंगस्टर रोहित गोदारा को सोशल व पुराने मामलों में सहयोगी 26 फॉलाअर्स पर पुलिस दलों की ओर से दबिश देकर छापेमारी की गई। इनमें से दस जनों को घर जाकर पाबंद किया गया। जो घरों पर नहीं मिले, उनके परिजनों से कहा गया कि जब भी आएं तो क्षेत्र के थाने पर सूचना दें। उन्होंने बताया कि इनमें से कुछ सोशल मीडिया के फॉलोअर ही नहीं उसके पुराने मामलों में भी सहयोगी रहे हैं। कुछ किसी न किसी वारदात में शामिल रहे हैं। जिनका आपराधिक रिकॉर्ड निकाला जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर संतों में उबाल

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भगवा वस्त्र पर दिए गए बयान पर विश्व हिंदू परिषद व साधु संतों में उबाल है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती ने कांग्रेस पार्टी को ऑल इंडिया चर्च कमेटी बताते हुए कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान बेहद घटिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व भगवावस्त्रधारी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में दिया गया बयान बेहद घटिया है। यह लाखों वर्ष की हमारी परम्परा है। जहां तक राजनीति का प्रश्न है, धर्म को इससे अलग नहीं किया जा सकता। स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती ने कहा कि राजसत्ता धर्मसत्ता के द्वारा ही संचालित होती रही है। जब मल्लिकार्जुन घुटने के बल चलना सीख रहे थे। उस समय गोरक्षपीठ के महंत दिग्विजय नाथ सांसद हुआ करते थे। आज तीसरी पीढ़ी राजनीति में है। राजनीति मत सिखाइए। कांग्रेस का सनातन विरोध जगजाहिर है। कांग्रेस का नाम ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी नहीं ऑल इंडिया चर्च कमेटी है। इसलिए ऑल इंडिया चर्च कमेटी हिंदुत्व पर प्रहार करना बंद करे अन्यथा कड़ा प्रतिवाद किया जायेगा। जगद्गुरु जियर स्वामी करपात्री जी महाराज ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के नाम में खड़गे लगा है। खड़ग का अर्थ होता है तलवार। काटने का काम तलवार करती है। संतों में योगी हैं। योगी शब्द योग से बना है। योग जोड़ने का काम करता है। काटने का काम खड़ग करती है। कांग्रेस ने संत समाज पर हमला किया है। जब तक संत को राष्ट्र की चिंता नहीं होगी तब तक कुछ होने वाला नहीं है। रामचरितमानस में लिखा है गाधितनय मन चिंता व्यापी। हरि बिन मरहि न निसिचर पापी।

विकास कार्यों की गुणवत्ता में गड़बड़ी मिली तो नपेंगे अधिकारी : विपुल गोयल

गुरुग्राम (हिंस)। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोताही ना हो। यदि विकास कार्यों की गुणवत्ता में कोताही बरती तो अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाही की जाएगी। उन्होंने कहा सरकारी जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों, अवैध निर्माणों को हटाने का प्रदेश की भाजपा सरकार ने संकल्प लिया है। मंत्री विपुल गोयल सोमवार को तावडू क्षेत्र के गांव बिस्सर स्थित कामधेनू आरोग्य संस्थान गौशाला में पत्रकारों से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि प्रदेश में सरकारी जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों, अवैध निर्माणों को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश की पुरानी कालोनियों को नियमित करने का कार्य किया है। प्रदेश में अवैध कालोनियों को विकसित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जिला के अधिकारियों से कहा कि रोड पर बेसहारा पशु घूमते दिखाई नहीं देने चाहिए। उन्होंने कहा एक भी बेसहारा गोवंश सड़कों पर घूमता दिखाई नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा शहर, कस्बों एवं गावों में सफाई व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए अधिकारी बार-बार शहर, कस्बों एवं गावों में जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगें।

एसआई भर्ती रद्द करने की मांग
पच्चीस घंटे से टंकी पर चढे दोनों युवक नहीं उतरे

जयपुर (हिंस)। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार दोपहर पानी की टंकी पर चढे दो युवक पच्चीस घंटे से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक नीचे नहीं उतरे हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी मालवीय नगर), थानाधिकारी बजाज नगर, थानाधिकारी जवाहर सर्किल सहित अन्य पुलिसर्मियों ने सोमवार दोपहर को दोनों युवकों से बात की, लेकिन अभी तक कोई सहमति नहीं बनी है। दोनों युवकों ने कहा कि उनके कुछ साथियों को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलवाया जाए और इसके बाद मुख्यमंत्री लेटर जारी कर भर्ती परीक्षा रद्द करने की घोषणा करें। इसके बाद ही वह टंकी पर से उतरेंगे। दोनों युवकों ने कहा कि सरकार अपने मंत्री और अधिकारियों के दबाव में है, इसलिए भर्ती परीक्षा को रद्द नहीं कर रही है। गौरतलब है कि रविवार दोपहर करीब एक बजे नागौर निवासी लादूराम चौधरी (35) और टोंक निवासी विकास विधूड़ी (34) हिम्मत नगर स्थित पानी की टंकी पर दो बैनर लेकर चढ़ गए थे। युवकों ने बैनर पर एसआई पेपर लीक को लेकर सात पॉइंट में अपनी मांगें लिखी हैं। इसमें लिखा है कि आखिर एसआई भर्ती रद्द क्यों नहीं? ध्यानाकर्षण सत्याग्रह। भजनलाल सरकार से छात्रों का आह्वान, एसआई भर्ती रद्द करो, लीपापोती बंद करो। आखिर फिर से बड़ा सवाल सरकार इस एसआई भर्ती परीक्षा पर कब फैसला करेगी...कब-कब और आखिर कबर दोनों बैनर को लादूराम और विकास ने टंकी पर ही टांग दिया।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी सेवा की भावना से कार्य करें : जिलाधिकारी

जौनपुर (हिंस)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम स्वागत के साथ उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों का परिचय सत्र हुआ। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को विभिन्न विषयों के संदर्भ में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा संक्षिप्त में जानकारी दी गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को जनपद जौनपुर के ऐतिहासिक, भौगोलिक, शैक्षिक, धार्मिक स्थिति आदि के विषय में उन्हें जानकारी दी गई। बताया गया कि जनपद जौनपुर में असीम संभावनाएं हैं। प्रशिक्षण के दौरान इन्हें जनपद से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। इसके साथ ही कार्य के दौरान समयबद्धता अति आवश्यक है। ग्रामीण स्तर पर अभी भी समस्याएं बनी हुई है। सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी सेवा की भावना से कार्य करें। इस पद पर रहकर सेवा करने की असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने भी अपने अनुभवो को साझा किया। बैठक के दौरान सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, परियोजना निदेशक केके पांडेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा कल्याण वर्ग अधिकारी, सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बिहार उपचुनाव से पहले सीपीआई के कई नेताओं ने पार्टी से दिया इस्तीफा

पटना (हिंस)। बिहार में आगामी 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। आज उपचुनाव के प्रचार प्रसार का आखिरी दिन है। उपचुनाव के पहले ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) को करारा झटका लगा है। सीपीआई के कई बड़े नेताओं ने एक साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। ये सभी नेता शेखपुरा के हैं। इस्तीफा देने वाले नेताओं में जिला सहायक मंत्री धर्मराज कुमार भी शामिल हैं। धर्मराज कुमार ने जिला सचिव प्रभात पांडे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभात पांडे *पहाड़ का ठेका* लिए हुए हैं और पार्टी के नाम पर गलत काम कर रहे हैं। धर्मराज कुमार ने राज्य स्तरीय नेताओं पर भी लापरवाही और पक्षपात का आरोप लगाया है। धर्मराज ने अपने कई समर्थकों और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। धर्मराज कुमार के अलावा, राज्य परिषद सदस्य गणेश रविदास, अजय चौधरी, छोटे रविदास, बिरजू पासवान और विनोद राम ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद धर्मराज कुमार ने प्रदेश के कई सीपीआई नेताओं पर भी निशाना साधा। धर्मराज ने पार्टी में चापलूसी और परिवारवाद में घिरे कार्यकर्ताओं को महत्व देने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर को बिहार के चार सीट तरारी, बेलागंज, इमामगंज और रामगढ़ में विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। चार सीटों में से तीन सीट पर महागठबंधन की ओर से राजद के उम्मीदवार चुनान में खड़े हैं तो वहीं एक उम्मीदवार सीपीआई एमएल के हैं।

गुड़गांव में आयोजित इंडिया स्टाइल फैशन वीक में बिहार का प्रतिनिधित्व करने वाली सविता ठाकुर हुई सम्मानित

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज जैसे क्षेत्र में उषा सिलाई स्कूल चला रही सविता ठाकुर गुड़गांव में 10 नवंबर को आयोजित इंडिया स्टाइल फैशन वीक में सम्मानित हुई। वह बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए गुड़गांव में आयोजित इंडिया स्टाइल फैशन वीक में शामिल हुई थी। फैशन शो का यह कार्यक्रम ऊषा सिलाई स्कूल की ओर से आयोजित था। उसे यह सम्मान मशहूर फैशन डिजाइनर सोनिया जेटली और ऊषा इंटरनेशनल लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट मिस मेरी रूपा टेटे ने दी। इंडिया स्टाइल फैशन वीक में उन्होंने पोशाक पर बिहार की कला सुजनी आर्ट को दर्शाया था। उसके द्वारा तैयार पोशाक को मशहूर मेल फीमेल मॉडल ने धारण कर रैंप पर कैट वॉक की, जिसे ज्यूरी मंडल के

द्वारा काफी सराहा गया। उषा सिलाई स्कूल की टीचर सविता ठाकुर अपने पोशाक पर बिहार की काल सुजनी आर्ट को दर्शाया था। जिसे तैयार करने में उन्हें ऊषा सिलाई स्कूल के अन्य प्रतिनिधित्व करने वालों का साथ मिला। विविध प्रकार के पोशाक तैयार करने में उन्हें 25 दिन लगे, जिसमें उनके छात्राओं का भी भरपूर सहयोग मिला। राष्ट्रीय स्तर के फैशन शो में अपने डिजाइन को लेकर सम्मानित हुई ऊषा ठाकुर ने फारबिसगंज समेत पूरे अररिया जिला और प्रदेश को गौरवान्वित करने का काम किया। ग्रामीण स्तर से उठकर फैशन के क्षेत्र में विभिन्न आयामो को पार करते हुए महत्वपूर्ण सफलताओं को अर्जित करने वाली सविता ठाकुर के इस कामयाबी से शहरवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और बिहार के युवा जो फैशन डिजाइन में अपना कैरियर बनाना चाह रहे हैं, उसके लिए प्रेरणा का श्रोत सविता ठाकुर को बता रहे।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की अवधि 15 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इसके लिए पात्र युवाओं के लिए पोर्टल रजिस्ट्रेशन के लिए 10 नवंबर, 2024 तक के लिए खुला था।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने सोमवार को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की समय-सीमा 15 नवंबर तक बढ़ा दी। इसके लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल के जरिए विभिन्न इंटर्नशिप पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं। इस योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप अवधि के दौरान इंटर्न करने वालों को 5 हजार रुपये का मासिक वजीफा मिलेगा। इसमें से 500 रुपये की राशि मेजबान कंपनी अपने सीएसआर फंड के माध्यम से देगी जबकि शेष राशि 4,500 रुपये सरकार मुहैया कराएगी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2024 के लिए पात्रता मानदंड इस प्रकार हैं: उम्मीदवारों की आयु 21 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवार हाई स्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल पास किया हो। इसके साथ आईटीआई प्रमाणपत्र, पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए या बी फार्मा जैसी डिग्री होनी चाहिए। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार करीब 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस योजना की शुरुआत 2 दिसंबर से पायलट प्रोजेक्ट्स के तहत की जाएगी। इस योजना की घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी। इस योजना को कॉर्पोरेट मंत्रालय के विकसित पोर्टल के माध्यम के जरिए लागू किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने हिंदुस्तान जिंक में 1.6 फीसदी हिस्सा बेची

मुंबई। सरकार ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में ऑफर फार सेल के माध्यम से 1.6 फीसदी हिस्सा बेचकर 3,449 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। इस बिक्री में कुल 5.28 करोड़ शेयर बेचे गए हैं। संस्थागत निवेशकों ने 3,400 करोड़ रुपये के लिए बोली लगाई है। खुदरा निवेशकों ने इसमें कम बोली लगाई है। हिंदुस्तान जिंक में सरकार की हिस्सेदारी 29.54 फीसदी है। सरकार ने अब तक बिक्री के माध्यम से कंपनियों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर 8,625 करोड़ रुपये जुटाए हैं। जीआईसी के ओएफएस के माध्यम से जुटाए गए 2,346 करोड़ रुपये और कोचीन शिपयार्ड से 2,015 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह नवम्बर तक चालू वित्त वर्ष में आया है। देश का कोयला आयात अप्रैल से सितंबर के बीच 7.8 फीसदी बढ़कर 140.60 टन प्रति पहुंच गया है। यह एक साल पहले समान अवधि में 130.34 टन था। कंपनी ने बताया कि सितंबर में आयात 10.09 फीसदी घटकर 19.42 टन रह गया है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.94 लाख करोड़ रुपये का बजट किया पेश

अमरावती । आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2,94,427.25 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। अनुमान है कि राजस्व व्यय 2,35,916.99 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 32,712.84 करोड़ रुपये होगा। राज्य के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित राजस्व घाटा लगभग 34,743.38 करोड़ रुपये और राजकोषीय घाटा लगभग 68,742.65 करोड़ रुपये है। केशव ने कहा कि मैं जो बजट प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, वह राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और धन सृजन के माध्यम से राज्य को आर्थिक रूप से पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य के वित्तीय ढांचे को एक बार फिर से मजबूत करना है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में पंचायती राज और ग्रामीण विकास के लिए 16,739 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री पवन कल्याण इस विभाग के लिए जिम्मेदार हैं। वर्ष 2024-25 के बजट में स्कूली शिक्षा के लिए 29,909 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य सेवाओं और परिवार कल्याण के लिए 18,421 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

फिर बढ़ गई प्याज की कीमत, खुदरा बाजार में 80 रुपए किलो के पार, नई फसल नहीं आने और निर्यात में तेजी से प्याज की कीमत में तेजी आई

नई दिल्ली । प्याज की कीमत एक बार फिर से बढ़ने लगी है, जैसे बाजारों में यह 80 रुपये किलो पार कर गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक खासकर राजस्थान, महाराष्ट्र, और कर्नाटक में खरीफ फसल की गुणवत्ता खराब रही है, जिसकी वजह से नई फसल न आने के कारण प्याज की कीमतों में वृद्धि आई है। नासिक के पिंपलगांव बाजार में बेहतरीन गुणवत्ता वाले प्याज की मांग बढ़ गई है और कीमतें 15 दिनों में 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। इसी दौरान, औसत कीमत भी 58 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। बांग्लादेश की ओर से प्याज पर आयात शुल्क हटाने से निर्यात में तेजी आई है, लेकिन व्यापारियों को उम्मीद है कि जब नई फसल की आवक शुरू होगी, तो कुछ हफ्तों के बाद कीमतों में गिरावट आएगी। व्यापारियों के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक अगस्त में भारी बारिश के कारण नई फसल की आवक में देर आ रही है, लेकिन राजस्थान के अलवर में और कुछ अन्य बाजारों में खरीफ की नई फसल की आवक बढ़ रही है। व्यापार जगत के जानकारों के अनुमान है कि नवंबर के अंत तक प्याज की कीमतें थोक बाजारों में 30 रुपये प्रति किलोग्राम के आरामदायक स्तर पर आ जाएंगी।

विस्तारा की फ्लाइट भरेगी आखिरी उड़ान 12 नवंबर से एअर इंडिया करेगी संचालन

मुंबई/नई दिल्ली

विदेशी स्वामित्व वाली भारत की तीसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी विस्तारा की फ्लाइट सोमवार को अपने गंतव्य के लिए आखिरी उड़ान भरेगी। विस्तारा के बाद टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया में शामिल हो जाएगी। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते भारतीय विमानन क्षेत्र में पूर्ण सेवा देने वाली एयरलाइंस की संख्या पिछले 17 वर्षों में पांच से घटकर अब सिर्फ एक रह जाएगी।

विस्तारा के सभी फ्लाइट्स का ऑपरेशन 12 नवंबर से एअर इंडिया करेगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग भी एअर इंडिया के वेबसाइट से होगी। एअर इंडिया समूह में शामिल होने से पहले विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइटों को उड़ान भरने का आखिरी दिन है। इस विलय के बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के उदारीकरण के बाद बनी एक विदेशी एयरलाइन के संयुक्त स्वामित्व वाली एक और कंपनी अवसान हो जाएगा।

विस्तारा ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किए एक बयान में कहा कि, जैसे-जैसे विमान ऊपर चढ़ता है, वैसे-वैसे हमारे सपने भी ऊपर उठते हैं। आइए भविष्य की ओर बढ़ें, जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि सिर्फ़ शुरुआत है, जब क्लब विस्तारा एअर इंडिया फ्लाइंग रिटर्न्स के साथ मिलकर महाराजा क्लब बन रहा है तो नए साइन-अप सहित आपके खाते तक पहुंच 11 नवंबर को 6 बजे आईएसटी से 12 नवंबर, 2024 को 2 बजे आईएसटी तक अस्थायी रूप से अनुपलब्ध रहेगी। आपकी समझ और सहयोग के लिए धन्यवाद, क्योंकि हम आपको दोनों दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देने के लिए दोनों लॉयल्टी कार्यक्रमों को मिला रहे हैं।

सीसीआई ने इसे सितंबर 2023 में दी थी मंजूरी

एअर इंडिया और विस्तारा की विलय पर नवंबर 2022 में साइन हुई थी। भारतीय रेगुलेटर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने इसे सितंबर 2023 में मंजूरी दी थी। इस मर्जर के बाद मार्केट शेयर के लिहाज से एअर इंडिया समूह इंडिगो के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी डोमेस्टिक एयरलाइन और सबसे बड़ी इंटरनेशनल एयरलाइन बन गई है। इस मर्जर के पूरा होने पर एअर इंडिया फुल-सर्विस और लो-कॉस्ट वाली पैसेंजर सर्विस दोनों को ऑपरेट करने वाला एकमात्र भारतीय एयरलाइन समूह होगा।

एअर इंडिया के पायलटों में है नाराजगी

एअर इंडिया और विस्तारा के विलय से पहले एअर इंडिया के पायलटों का एक तबका टाटा समूह के स्वामित्व वाली दोनों एयरलाइंस के पायलटों के लिए सेवानिवृत्ति की अलग-अलग आयु सीमा को लेकर नाराज है। वर्ष 2022 की शुरुआत में टाटा के स्वामित्व में आई एअर इंडिया के पायलटों और दूसरे कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 साल है।

वहीं, टाटा समूह की ही दूसरी एयरलाइन विस्तारा में यह सीमा 60 वर्ष है। दरअसल एअर इंडिया के पायलटों के एक वर्ग में नाराजगी बढ़ रही है, क्योंकि प्रबंधन ने अभी तक विलय के बाद बनी इकाई के लिए एक समान सेवानिवृत्ति आयु तय नहीं की है।

विस्तारा का 2012 में हुआ था जन्म

विदेशी स्वामित्व वाली विस्तारा में 49 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली सिंगापुर एयरलाइंस के पास विलय के बाद एअर इंडिया में सिर्फ 25.1 फीसदी हिस्सेदारी रह जाएगी। साल 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने विदेशी एयरलाइंस को एक घरेलू एयरलाइन में 49 फीसदी तक की हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दी थी। इसके बाद अब बंद हो चुकी जेट एयरवेज में खाड़ी क्षेत्र की एयरलाइन एतिहाद ने 24 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की और दूसरी ओर एयरएशिया इंडिया और विस्तारा का जन्म हुआ।

डूब गईं कई भारतीय विमानन कंपनियां

विस्तारा पिछले 10 वर्षों में परिचालन शुरू करने वाली एकमात्र पूर्ण सेवा वाला वायुयान भी है। वर्ष 2007 में पूर्ण सेवा वाहक (एफएससी) इंडियन एयरलाइंस के एअर इंडिया के साथ विलय के बाद से कम से कम पांच एफएससी ने भारत में शुरुआत की। हालांकि, समय के साथ किंगफिशर और एयर सहारा गायब हो गए। किंगफिशर 2012 में बंद हो गई, जबकि एयर सहारा का जेट एयरवेज ने अधिग्रहण किया। इसका नाम बदलकर जेटलाइट कर दिया गया। ये 2019 में जेट एयरवेज के साथ डूब गई।

उल्लेखनीय है कि सिंगापुर एयरलाइंस 12 नवंबर को विस्तारा के विलय के बाद टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया में 3,194.5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी। इस विलय समझौते की घोषणा 29 नवंबर, 2022 को की गई थी, जो 11 नवंबर, 2024 को पूरा होने जा रहा है। इस विलय की वजह से सिंगापुर एयरलाइंस के पास विस्तारित एअर इंडिया में हिस्सेदारी घटकर 25.1 फीसदी रह जाएगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजार में भी मंदड़िये हावी नजर आ रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से उत्साहित अमेरिकी बाजार में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,997.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,287.65 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,027.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान जम कर मुनाफा वसूली होती रही, जिसकी वजह से वहां के तीनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत टूट कर 8,072.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,338.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 147.04 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,215.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी गिरावट नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से सिर्फ 1 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहा है, जबकि 8 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। एशियाई बाजारों में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,202.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,445.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत लुढ़क कर 3,720.53 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है।

सीसीआई जांचः जोमैटो, स्विगी ने कहा- प्रतिस्पर्धा कानून का पालन करने को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली

जोमैटो और स्विगी के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा रोधी गतिविधियों के मामले में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच नजर आ रही है। ऑनलाइन खाद्य आपूर्ति मंच जोमैटो ने दावा किया है कि वह देश के कानूनों का अनुपालन करती है, जबकि स्विगी का कहना है कि वह स्थानीय नियमों का पालन करने को प्रतिबद्ध है। दोनों कंपनियों ने मीडिया की उन खबरों को भ्रामक बताया है जिसमें जोमैटो और स्विगी द्वारा कुछ रेस्तरां भागीदारों को कथित तरजीह देने की बात कही गई है। सीसीआई ने अप्रैल 2022 में एक जांच का आदेश दिया था, जिसमें आयोग के महानिदेशक के कार्यालय को संभावित उल्लंघनों की जांच करने का निर्देश दिया गया था। जोमैटो और स्विगी दोनों ने सीसीआई की जांच पर अपना सहयोग और जवाबदेही दिखाने का दावा किया है। स्विगी ने अपने बयान में सीसीआई की जांच से जुड़ी मीडिया की खबरों को भ्रमित करने का दावा किया है और दावा किया है कि उनके खिलाफ अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की शिकायत के बाद सीसीआई ने जांच शुरू की थी।

दोनों कंपनियों ने मीडिया की खबरों को भ्रामक बताया

ट्रंप की जीत से क्रिप्टो करेंसी मार्केट की तेजी जारी, पहली बार 80,092 डॉलर के स्तर पर पहुंचा बिटकॉइन

नई दिल्ली

अमेरिका में चुनाव परिणाम आने के बाद से ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में लगातार तेजी बनी हुई है। खासकर, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन रोज मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रही है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा डिजिटल एसेट्स को बढ़ावा देने का संकेत देने के बाद से ही बिटकॉइन जोरदार मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। इसी मजबूती के कारण ये क्रिप्टो करेंसी पहली बार 80 हजार डॉलर के स्तर को पार कर गई है।

फिलहाल बिटकॉइन 80,092 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए जारी कैंपेनिंग के दौरान अमेरिका को डिजिटल एसेट इंडस्ट्री के केंद्र में रखने की बात कही थी। उन्होंने एक स्ट्रैटेजिक बिटकॉइन भंडार बनाने और डिजिटल एसेट्स के लिए रेगुलेटर्स को नियुक्त करने की बात भी कही थी।

डोनाल्ड ट्रंप के इसी ऐलान की वजह से माना जा रहा है कि राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद वे

अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी खासकर बिटकॉइन को बढ़ावा देने और रेगुलर करेंसी की तरह चुनिंदा क्रिप्टो करेंसीज को लेनदेन के लिए वैध करार देने की कोशिशों को तेज कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत से तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी आई ही है, इसके अलावा भी साल 2024 बिटकॉइन समेत पूरे क्रिप्टोकरेंसी मार्केट के लिए काफी पॉजिटिव रिजल्ट देने वाला साल बना हुआ है।

साल 2024 में बिटकॉइन अभी तक 91 प्रतिशत तक मजबूत हो चुका है। बिटकॉइन को मजबूती हासिल करने में डेडीकेटेड यूएस एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की लगातार बढ़ती मांग और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी काफी सपोर्ट मिला है। इसके साथ ही एक अहम बात ये भी कही जा रही है कि बिटकॉइन में रिस्क होने के बावजूद इससे स्टॉक मार्केट या बुलियन मार्केट की तुलना में काफी अधिक रिटर्न मिलता है। इसीलिए अमेरिका के चुनाव परिणाम आ जाने और राजनीतिक अनिश्चितता के खत्म हो जान के बाद निवेशकों ने सेफ इनवेस्टमेंट की जगह अधिक जोखिम वाले क्रिप्टो करेंसी मार्केट में, खासकर बिटकॉइन में अपना निवेश बढ़ा दिया है, जिसकी वजह से ये क्रिप्टो करेंसी लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रही है।

डीआईआई का निवेश पहली बार 4.5 लाख करोड़ के पार पहुंचा, एफआईआई की बिकवाली को मिला करारा जवाब

नई दिल्ली

लगातार जारी उठा पटक के बीच घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) इस साल भारतीय शेयर बाजार में अभी तक करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुके हैं। इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा विदेशी निवेशकों की बिकवाली के समय स्टॉक मार्केट को सपोर्ट करने के लिए किया गया है। किसी एक कैलेंडर ईयर में घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा किया गया ये अभी तक सबसे ज्यादा निवेश है। ये स्थिति भी तब है, जबकि साल 2024 खत्म होने में अभी भी करीब डेढ़ महीने का समय बचा हुआ है। शेयर बाजार में जिस तरह विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बनाया हुआ है, उसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर ये स्थिति आगे भी जारी रही तो घरेलू संस्थागत निवेशकों के निवेश का आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। घरेलू शेयर बाजार में इस साल 30 सितंबर के बाद से ही लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और चीन के राहत पैकेज का ऐलान किए जाने के कारण विदेशी निवेशक दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट की तरह ही भारतीय शेयर बाजार में भी लगातार बिकवाली का दबाव बनाए रहे हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण और स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कई बड़ी कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे की वजह से मार्केट सेंटीमेंट भी कमजोर हुआ है। इसके बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार लिवाली करके शेयर बाजार को क्रैश होने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अक्टूबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने 94,017 करोड़ रुपये की नेट सेलिंग की थी। किसी एक महीने में विदेशी निवेशकों द्वारा की गई बिकवाली का ये अभी तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके पहले मार्च 2020 में विदेशी निवेशकों ने एक महीने में 61,973 करोड़ रुपये की नेट सेलिंग की थी। इतनी जोरदार बिकवाली के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों ने आक्रामक अंदाज में खरीदारी करके बाजार को सपोर्ट करने का काम किया। अक्टूबर के महीने में डीआईआई ने 98,400 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की। इन आंकड़ों से साफ है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की तुलना में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने ज्यादा खरीदारी की। हालांकि जियो पॉलिटिकल टेंशन और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे की वजह से डीआईआई लगातार खरीदारी करने के बावजूद शेयर बाजार को गिरावट से नहीं बचा सके। लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार खरीदारी कर विदेशी निवेशकों की बिकवाली का जवाब नहीं दिया होता तो शेयर बाजार पूरी तरह से ध्वस्त होने की स्थिति में आ सकता था। जगदंबा सिक्योरिटीज एंड कमोडिटीज सर्विसेज के सीईओ नमन अग्रवाल के अनुसार पिछले कुछ सालों के दौरान शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने मजबूत पकड़ बनाई है। दस साल पहले तक विदेशी निवेशक जब भी बिकवाली का दबाव बनाते थे, तो शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो जाता था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। सरकार की आर्थिक नीतियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों को निवेश के लिए पहले से अधिक छूट मिली है। इसके साथ ही जोखिम प्रबंधन के लिए भी उन्हें बढ़ावा दिया गया है, जिसकी वजह से विदेशी निवेशकों की बिकवाली के जवाब में वे मजबूती के साथ खरीदारी कर रहे हैं। इसकी वजह से उनका खुद का प्रॉफिट मार्जिन भी बढ़ा है, साथ ही छोटे और खुदरा निवेशकों के लिए मार्केट रिस्क में भी कमी आई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस साल घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जो निवेश किया है, उसमें से पहले एक लाख करोड़ रुपये का निवेश 57 ट्रेडिंग सेशन में किया गया था। इसी तरह दूसरे एक लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 40 ट्रेडिंग सेशन का समय लिया, जबकि तीसरे एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने में उन्हें 60 ट्रेडिंग सेशन का समय लगा। चौथी बार 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने सिर्फ 31 ट्रेडिंग सेशन का समय लिया।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली इसी तरह जारी रही, तो इसी महीने घरेलू संस्थागत निवेशकों का निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के स्तर को भी पार कर सकता है।

कुमामोटो मास्टर्स जापान बैडमिंटन : सिंधु, लक्ष्य को फॉर्म हासिल करने की उम्मीद

कुमामोटो

स्टार शटलर पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करते हुए फॉर्म हासिल करने के लिए बेताब होंगे। पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद से दोनों खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। सिंधु डेनमार्क ओपन सुपर 750 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, वहीं लक्ष्य सेन आर्कटिक ओपन सुपर 500 और डेनमार्क ओपन दोनों में शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। दोनों खिलाड़ियों को अपने मैचों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के बाद निर्णायक दौर में पहुंचने में संघर्ष करना पड़ा। फिनलैंड में कनाडा की मिशेल ली से पहले दौर में चौंकाने वाली हार के बाद सिंधु ने ओडेंस में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन निर्णायक मुकाबले में पेरिस कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजुंग से हार गईं। दूसरी ओर, लक्ष्य फिनलैंड और ओडेंस में चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन और चीन के लू गुआंग जू के खिलाफ़ हार गए। इन असफलताओं के बावजूद, सिंधु ने अपनी तैयारियों पर भरोसा जताया है, उन्होंने नए कोच अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल के साथ मिलकर काम किया है। सिंधु ने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हूँ। सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आठवीं वरीयता प्राप्त थाई बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ़ करेंगी। पुरुष एकल में, लक्ष्य के पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने का खेल है, लेकिन टोक्यो ओलंपिक में उनके लगभग चूकने के बाद उनकी मानसिक दृढ़ता पर सवाल उठाए गए हैं, जहाँ वे दिल तोड़ने वाली हार में पदक की स्थिति से फिसल गए थे। 23 वर्षीय खिलाड़ी मलेशिया के लियोंग जुन हाओ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे, जबकि अगले दौर में उनका सामना इंडोनेशिया के आठवें वरीय एंथनी गिंटिंग से हो सकता है।

एकमात्र अन्य भारतीय जोड़ी जो एक्शन में होगी, वह ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल टीम होगी, जो अपने शुरुआती मैच में ताइपे की ह्सू यिन-हुई और लिन झिह युन का सामना करेगी।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड सीरीज में भारत के खराब प्रदर्शन पर गौतम गंभीर ने कहा-हम तीनों विभागों में पिछड़ गए

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड श्रृंखला में टीम के हालिया प्रदर्शन का

खुलकर आकलन किया और उन क्षेत्रों को स्वीकार किया है, जहां टीम कमजोर पड़ी थी। गंभीर ने कहा, जाहिर है, सीख यह है कि हम स्वीकार करते हैं कि हम परास्त हुए। मैं यहां बैठकर बचाव नहीं करने जा रहा हूं। मुझे लगता है कि हम तीनों विभागों में परास्त हुए। उन्होंने कहा, वे अधिक पेशेवर थे और हम इसे स्वीकार करते हैं। मुझे लगता है कि हमें जो आलोचना मिल रही है, हम उसे दोनों हाथों से लेते हैं और हम आगे बढ़ते रहते हैं और हर दिन बेहतर होते रहते हैं। असफलताओं के बावजूद, गंभीर ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपने मजबूत संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी पिछली सफलताओं को दर्शाते हुए कहा, रोहित के साथ मेरा रिश्ता अविश्वसनीय रहा है। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, तीन टेस्ट मैचों से पहले, हमने कानपुर में भी एक अविश्वसनीय टेस्ट मैच खेला था। मुझे पता है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को देखते हुए, गंभीर ने सकारात्मक मानसिकता के साथ आगे बढ़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया एक नई सीरीज और नया प्रतिद्वंद्वी है। हम यह सोचकर मैदान पर उतरते हैं कि हम निश्चित रूप से उस सीरीज को जीतने की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारत की शर्मनाक हार के बाद, डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह मुश्किल हो गई है। 3-0 से सीरीज जीतने के बाद, भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए लंदन में 4-0 से सीरीज जीतनी होगी।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे तो बुमराह करेंगे भारत की कप्तानी: गंभीर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की है कि अगर नियमित कप्तान रोहित

शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं, तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट टीम का नेतृत्व करेंगे। शुरुआती मैच 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाला है। सोमवार को मुंबई से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गंभीर ने कहा, बुमराह उप-कप्तान हैं; अगर रोहित उपलब्ध नहीं हैं, तो वह पर्थ में कप्तानी करेंगे। रोहित शर्मा फिलहाल टीम के साथ नहीं हैं, लेकिन उन्हें आधिकारिक तौर पर सीरीज के पहले मैच से बाहर नहीं किया गया है। गंभीर ने रोहित की स्थिति पर अपडेट देते हुए कहा, फिलहाल, कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हम आपको बताएंगे कि स्थिति क्या होगी। उम्मीद है कि वह उपलब्ध होंगे, लेकिन सीरीज की शुरुआत में हमें सब कुछ पता चल जाएगा। गंभीर की घोषणा ने टीम की आकस्मिक योजनाओं को उजागर किया क्योंकि वे ऑस्ट्रेलिया का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें बुमराह जरूरत पड़ने पर नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारत की शर्मनाक हार के बाद, डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह मुश्किल हो गई है।

सुमा शिरूर ने जीता महिला कोच ऑफ द ईयर का पुरस्कार

मुंबई। ओलंपियन और भारतीय शूटिंग टीम की पूर्व मुख्य कोच, सुमा शिरूर को इंडियन स्पोर्ट्स ऑनर्स

2024 में महिला कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह समारोह कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट द्वारा आयोजित किया गया था। सुमन शिरूर, जो किसी भी ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं , को पेरिस ओलंपिक्स और पैरालिंपिक्स में भारतीय शूटिंग टीम को सफलता की ओर ले जाने और भारतीय खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार समारोह में देश के प्रमुख एथलीटों, कोचों और खेल हस्तियों का जमावड़ा हुआ, जिसमें सुमा शिरूर अपनी उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रयासों के लिए अलग नजर आईं। उनके मार्गदर्शन में, भारत के शूटर्स ने तीन ओलंपिक पदक जीते, जिससे वैश्विक मंच पर भारतीय शूटिंग में एक पुनर्जागरण हुआ। खासकर, उनके मार्गदर्शन ने अवनि लेखरा को महिला 10 मीटर इवेंट में दूसरा पैरालिंपिक्स गोल्ड जीतने में मदद की, जिससे शिरूर का एक कोच के रूप में प्रभाव स्पष्ट होता है, जो एथलीटों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती हैं।

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 50 लाख छात्रों को पंजीकृत करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया

नई दिल्ली

भारत के स्वदेशी खेल को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की एक अभूतपूर्व पहल में खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने देश भर में स्कूली छात्रों को लक्षित करते हुए एक व्यापक पंजीकरण अभियान शुरू किया है। इस काम के लिए यह सबसे अच्छा समय है क्योंकि भारत 13 से 16 जनवरी, 2024 तक नई दिल्ली के आईजीआई स्टेडियम में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है।

ऑफ डिजिटल एंटरप्रेन्योर्स (एसओडीई) के सहयोग से जारी इस डिजिटल पंजीकरण अभियान ने पहले ही उल्लेखनीय प्रगति की है। यह पूरे भारत में 7,132 शहरों और 1,160 स्कूलों तक पहुँच चुका है। दक्षिणी राज्य तेलंगाना से लेकर उत्तर प्रदेश तक, अब तक कक्षा 6 से 11 तक के छात्रों ने इस अनोखे अभिनव जमीनी स्तर के प्रोग्राम में सक्रिय रूप से पंजीकरण कराया है।

केकेएफआई के महासचिव एम.एस. त्यागी, जो इस खेल में लगभग छह दशकों का अनुभव रखते हैं, ने कहा, हमारा सपना जनवरी में होने वाले विश्व कप से पहले 50 लाख से अधिक छात्रों को जोड़ना है। अगर हम ऐसा करने में सफल होते हैं, तो हम 50 लाख परिवारों को खो-खो की दुनिया से जोड़ देंगे।

त्यागी ने आगे कहा, मैं 1964 से खो-खो खेल से जुड़ा हुआ हूं। पहले एक खिलाड़ी के रूप में, बाद में एक कोच के रूप में और अब महासचिव के रूप में। मैंने जो देखा है, वह यह है कि किसी भी खेल को आगे बढ़ाने और आगे बढ़ाने के लिए हमें इस तरह के पंजीकरण अभियान की आवश्यकता होती है।

इस पहल के तहत महत्वाकांक्षी खो-खो खिलाड़ियों का एक व्यापक डेटाबेस बनाने के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की शक्ति का लाभ उठाया जाता है।

त्यागी ने इवेंट की क्षमता और उसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए बताया, सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक छात्र हमारे साथ शामिल होता है, तो उसके दोस्त भी हमारे साथ जुड़ते हैं और फिर यह उनके परिवारों तक फैलता है, जिससे कभी न खत्म होने वाला जुड़ाव बना रहता है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने भी अपनी महत्वाकांक्षी दृष्टि साझा करते हुए कहा, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की ओर अग्रसर है, इसलिए हम खो खो को ओलंपिक मानकों तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पंजीकरण अभियान का उद्देश्य केवल एक डेटाबेस बनाना नहीं है। यह एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के बारे में है जो भविष्य के चैंपियनों को पोषित करेगा और इस स्वदेशी खेल को वैश्विक मंच पर ले जाएगा। हमारा लक्ष्य खो खो को न केवल भारत का गौरव बनाना है, बल्कि एक ऐसा खेल बनाना है जो दुनिया की कल्पना को पकड़ ले।

महासंघ यह सुनिश्चित करता है कि पंजीकृत छात्रों को उनके डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से खेल के अवसरों, संभावित करियर पथों और अन्य लाभों के बारे में नियमित अपडेट प्राप्त होंगे। इस व्यापक दृष्टिकोण का उद्देश्य भारत की खेल विरासत को संरक्षित करके और बढ़ावा देते हुए युवा एथलीटों के लिए एक स्थायी मार्ग बनाना है।

अब तक, अर्जेंटीना उन 24 देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने आगामी विश्व कप में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। विश्व कप के करीब आने और ग्रासरूट प्रोग्राम के गति पकड़ने के साथ, खो खो एक नए युग की दहलीज पर खड़ा है, जो एक प्रिय स्थानीय खेल से वैश्विक खेल में बदलने के लिए तैयार है।

महिला क्रिकेट : चांदनी ने की शानदार गेंदबाजी, स्काई ने जीता मैच

लखनऊ

जीसीआरजी महिला क्रिकेट लीग की शुरुआत सोमवार को हो गयी। पहले दिन तीन लीग मैच खेले गये। स्काई सुपर ने डाइनामिक को 77 रन से हरा दिया। इस मैच में स्काई की चांदनी शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 22 रन देकर चार विकेट लिये।

वहीं विक्टर वाइपर्स और ब्रेब ब्लेजर्स ने भी अपने-अपने मैच जीत लिये। स्काई सर्फर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गवांकर 202 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज टेथियर फातिमा ने अपनी टीम में सर्वाधिक 69 रन का योगदान दिया। वहीं शशि बाला 45 रन और अप्रिता 28 रन बनाई। वहीं डायनेमिक की पूरी टीम 125 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी और स्काई ने 77 रन से मैच जीत लिया।सलामी बल्लेबाज आयुषी श्रीवास्तव ने अपनी टीम में आयुषी श्रीवास्तव ने 58 रन बनाई। वहीं सोनल ने 13 रन का योगदान दिया। वहीं दूसरे मैच में माइटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 95 रन बनाये। नैन्सिका यादव ने 18 रन बनाये। वहीं महिमा शुक्ला ने 14 रन का योगदान दिया। वहीं विक्टोरी की टीम ने तीन विकेट गवांकर ही 96 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। दिवा श्रीवास्तव 32 रन बनाई वहीं सलामी बल्लेबाज शर्गुन यादव ने 31 रन का योगदान दिया। तीसरे मैच में ग्लोरियस ज्वाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट गवांकर 165 रन बनाये। अपनी टीम में सर्वाधिक अरोमा त्यागी ने 46 रन का योगदान दिया। वहीं ब्रेव की टीम ने चार विकेट गवांकर 169 रन बना लिये और मैच को छह विकेट से जीत लिया।

एटीपी फाइनल्स : सिनर ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरुआत

ट्यूरिन

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी जननिक सिनर ने रविवार को टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 6-4 से हराकर एटीपी फाइनल्स में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

पिछले साल प्रतिष्ठित साल के अंत वाले टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे स्थान पर रहे सिनर पहले सेट में जल्दी ही पिछड़ गए, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर हावी हो गए।

इस साल ऑस्ट्रेलियन और यू.एस. ओपन खिताब जीतकर ग्रैंड स्लैम में अपना खाता खोलने वाले इतालवी खिलाड़ी ने ऐस के साथ जीत पूरी की और डी मिनौर के खिलाफ आठ में से आठ जीत दर्ज की।

इससे पहले इली नास्टेस ग्रुप में अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने रूसी डेनियल मेदवेदेव को 6-4, 6-3 से हराया।

23 वर्षीय सिनर ने शंघाई में खिताब जीतने के बाद से चार सप्ताह तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था, जो उनका सत्र का सातवां खिताब था। शुरुआती सेट में 2-1 से पिछड़ने के कारण उन्होंने अपनी सर्विस खो दी, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की और बेसलाइन से उनकी ताकत डी मिनौर के लिए बहुत ज़्यादा साबित हुई।

मैच के बाद सिनर ने कहा, यह देखते हुए कि मैंने चार सप्ताह तक कोई मैच नहीं खेला था, मैं बहुत खुश हूँ। मैंने मैच की शुरुआत में कुछ अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन मैं मानसिक रूप से वहीं रहा, यह जानते हुए कि मैं जल्द ही लय हासिल कर लूंगा। यह काफी पहले आ गया और बहुत अच्छी तरह से वापस आने लगा। आज मैं जीत से खुश हूं और इससे मुझे आत्मविश्वास मिलेगा।

हैदराबाद लेग में सफलता के बाद हरियाणा स्टीलर्स का लक्ष्य नोएडा में भी अपनी लय बरकरार रखना

नोएडा

हरियाणा स्टीलर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन की शानदार शुरुआत की, हैदराबाद में अपने पहले सात मैचों में पांच जीत दर्ज की। पिछले सीजन में उपविजेता रहने के बाद, सभी की निगाहें जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली इस फ्रेंचाइजी पर थीं, खासकर इस साल की शुरुआत में नीलामी में टीम ने अपनी टीम में कुछ बदलाव किए थे।

सामरिक प्रतिभा वाले हेड कोच मनप्रीत सिंह के मार्गदर्शन में, स्टीलर्स ने प्रत्येक गेम में अंत तक लड़ने के लिए प्रभावशाली रक्षात्मक और लचीला प्रदर्शन किया है और करीबी मुकाबलों में रोमांचक जीत हासिल की है। हैदराबाद लेग के अंत तक हरियाणा तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया और फिर रविवार को नोएडा लेग की शुरुआत में गुजरात जायंट्स पर 39-23 से जीत हासिल की और 7 मैचों में 26 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेज़ा शादलोई 7 मैचों में 18 रेड पॉइंट और 22 टैकल पॉइंट के साथ स्टार खिलाड़ी साबित हुए हैं। रेडिंग विभाग में शिवम पटारे सबसे सफल साबित हुए, उन्होंने अपनी टीम के लिए 31 रेड अंक अर्जित किए।

अपनी टीम के अब तक के प्रदर्शन पर कोच मनप्रीत ने कहा, हर टीम में कुछ ऐसे क्षेत्र होते हैं, जहां सुधार की जरूरत होती है। यह बताना मुश्किल है कि हम अपनी गलतियों को कहां सुधार सकते हैं, लेकिन पूरा सीजन उन्हें सुधारने पर निर्भर करता है और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। खिलाड़ी भी समर्पित रूप से सुधार कर रहे हैं और हमें लगता है कि अब हम अधिक नियंत्रण में हैं। टीम ने हैदराबाद में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और हम अच्छी फॉर्म में हैं। हमने खिलाड़ियों के अपने विजयी संयोजन का पता लगा लिया है और यह वास्तव में नोएडा लेग में हमारी मदद करेगा।

यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने की युवा खिलाड़ियों की तारीफ, कहा- अच्छे प्रदर्शन का श्रेय युवाओं को

नोएडा

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के एक और रोमांचक मुकाबले में, यू मुंबा ने रविवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में घरेलू टीम यूपी योद्धा पर 35-33 से रोमांचक जीत हासिल की। यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह नोएडा लेग के शुरुआती मैच में मिली थी।

यूपी योद्धा के भरत हुड्डा द्वारा सुपर 10 हासिल करने के बावजूद, अजीत चौहान और रोहित राघव के संयुक्त रेडिंग प्रयासों ने, जिन्होंने 8-8 अंक बनाए, यू मुंबा के लिए निर्णायक साबित हुए।

करीबी मुकाबले पर यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने टीम के शुरुआती संघर्षों को स्वीकार किया, लेकिन उनके लचीलेपन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हमने शुरुआत में कुछ गलतियाँ कीं, लेकिन हमने बढ़त को बहुत दूर नहीं जाने दिया। लेकिन तीन महत्वपूर्ण सुपर टैकल हमारे पक्ष में काम आए, जिसने यूपी योद्धा को पर्याप्त बढ़त बनाने से रोक दिया।

कुमार ने अंतिम मिनट तक लड़ने के महत्व पर जोर दिया, एक ऐसा दर्शन जो इस जीत में महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने बताया, लीड चाहे कितनी भी हो, हमें अंतिम क्षण तक लड़ना होगा। 45 मिनट बीत जाने के बाद भी हम लड़ते रहेंगे।

इस मानसिकता का फायदा यू मुंबा को मिला, क्योंकि खेल के महत्वपूर्ण अंतिम मिनटों में उन्होंने अपना संयम बनाए रखा। कप्तान ने टीम के नए खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की, खास तौर पर अजीत और रोहित की, जिन्होंने खेल के अंत में महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

कुमार ने कहा, नए खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक हासिल कर रहे हैं।

अपनी अगली चुनौतियों को देखते हुए कुमार ने गलतियों को कम करने के महत्व पर जोर दिया, खासकर मजबूत विरोधियों के खिलाफ।

उन्होंने कहा, हमें डिफेंस और ऑफेंस दोनों पक्षों पर काम करने की जरूरत है। हमने कुछ अच्छे टैकल किए हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम इस प्रदर्शन के स्तर को बनाए रखें।

इस जीत ने यू मुंबा की करीबी मैचों में दबाव को संभालने की क्षमता को दर्शाया, एक ऐसा गुण जो सीजन के आगे बढ़ने के साथ महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। टीम का संतुलित प्रदर्शन, जिसमें चौहान और राघव की प्रभावी रेडिंग और रणनीतिक बचाव शामिल है, आखिरकार इस करीबी मुकाबले में अंतर साबित हुआ।

इस महिला ने की बिल्लियों से शादी

देश व दुनिया में शादी को पवित्र बंधन माना जाता है। आपने इंसान के साथ इंसान की शादी के बारे में तो सुना होगा। जैसे एक दूसरे देश के लोग शादी कर लेते हैं। कई विदेशी युवतियों ने भारत में आकर कई युवकों के साथ शादी की है। आपने गे लोगों को आपस में शादी करते सुना होगा यहां तक कि लड़कियों को भी आपस में शादी करते हुए सुना होगा या देखा होगा। लेकिन क्या आपने सुना है कि इंसान ने जानवरों के साथ शादी की है और शादी के बाद पिछले 10 वर्ष से अधिक समय से साथ रह भी रही है। हम बात कर रहे हैं स्पेन के लैंजारोट में रहने वाली 48 साल की बारबेरेला बुचनर की। बारबेरेला बुचनर ने शादी किसी इंसान से नहीं बल्कि दो बिल्लियों से की है। बारबेरेला ने बिल्लियों के साथ शादी 2004 में की थी। वर्ष 2004 से लेकर अब तक बारबेरेला इन दो बिल्लियों के साथ ही रह रही है और इन दोनों बिल्लियों को अपना पति मानती हैं। बारबेरेला बुचनर ने हाल ही में पति मान चुकी अपनी दोनों बिल्लियों के साथ शादी की 10वीं सालगिरह मनाई है। हालांकि बारबेरेला का कहना था कि वे इन बिल्लियों के साथ 14 साल से शादीशुदा जिंदगी जी रही हैं। बारबेरेला की इन बिल्लियों के नाम हैं स्पाइडर ओर लुगोसी।

वर्कप्लेस पर ये बातें न करें...

वर्कप्लेस पर आपको बेहद सावधान और सतर्क रहने की जरूरत होती है। अगर आप अपने कार्यस्थल पर कुछ विवादित टॉपिक पर बातचीत करते हैं तो सहकर्मियों के बीच आपकी इमेज अप्रिय बन जाती है। इसलिए इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि कार्यस्थल पर विवादित विषयों और चर्चाओं से बचे।

धार्मिक विश्वास पर चर्चा

कार्यस्थल पर अपने धार्मिक विश्वास पर चर्चा करने से हमेशा बचें। इसके अलावा किसी भी धर्म की बुराई और उसपर वाद-विवाद की स्थिति से हमेशा दूर रहना चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कार्यस्थल पर अपने धर्म को छुपा कर रखें। आप अपने धर्म पर गर्व करें लेकिन किसी दूसरे धर्म पर विवादित बातचीत न करें।

राजनीतिक विषय पर चर्चा

अक्सर लोग अपने राजनीतिक विश्वास के प्रति भावुक हो जाते हैं और कार्यस्थल पर लंबी राजनीतिक वाद-विवाद और चर्चा छेड़ देते हैं। ऐसा करने से हमेशा बचना चाहिए। अपने वर्कप्लेस पर अपने पसंदीदा नेता की अच्छाई और विपक्ष की बुराई जैसी चर्चाओं से दूर रहें इससे कार्य में खलल पड़ता है।

अंतरंग जिंदगी की चर्चा

कार्यस्थल पर अपने निजी और अंतरंग जीवन के बारे में बातचीत न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे दूसरे व्यक्तियों को असहज की स्थिति से दो चार होना पड़ता है। ऐसा भी हो सकता है कि आपको हरासमेंट की स्थिति का सामना करना पड़े। इसलिए, कार्यस्थल पर अपनी निजी जिंदगी और अंतरंग जीवन पर बातचीत न करें।

भारत युवाओं का देश है। हर क्षेत्र में युवाओं को आगे लाया जा रहा है। राजनीति में भी युवाओं को आगे लाने की मुहिम चल रही है, लेकिन राजनीति को लेकर आज के युवाओं को यह साफ तौर से समझ लेना चाहिए कि राजनीति नौकरी, व्यवसाय या खेती की तरह आजीविका नहीं है। यदि वे इसे रोजगार की तरह देखते हैं तो यह अनुचित है। इसका मतलब यह नहीं कि युवा राजनीति में सक्रिय न हो, बल्कि युवाओं को यह समझना होगा कि राजनीतिक सक्रियता का अर्थ चुनाव लड़ना नहीं, सामयिक विषयों पर जागरूक व आंदोलनरत रहना है।

रोजगार नहीं है राजनीति...

राजनीति में युवाओं की भूमिका कैसी हो, इस पर लोगों की अलग-अलग राय हो सकती है। यह सही है कि भारत एक युवा देश है। इसलिए अब राजनीति में भी युवाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। भावी राजनीति के एजेंडे पर निःसंदेह अब युवा आ गए हैं। ऐसे में सबसे पहली बात युवाओं को यह समझने की है कि राजनीति नौकरी, व्यवसाय या खेती की तरह आजीविका नहीं है। नौकरी शैक्षिक या अनुभवजन्य योग्यता से मिलती है, जबकि खेती और व्यापार प्रायः पुश्तैनी होते हैं। नेता भी चुनाव में हाथ जोड़कर वोट मांगते समय यही कहते हैं कि इस बार हमें सेवा का अवसर दें। जनता किसे यह अवसर देती है, यह बात दूसरी है; पर इससे स्पष्ट होता है कि राजनीति आजीविका न होकर समाज सेवा का क्षेत्र है।

यह अनुचित है

भारत में ब्रिटिश व्यवस्था के अनुरूप जन प्रतिनिधियों को वेतन तथा अन्य भत्ते दिए जाते हैं। जन प्रतिनिधि लगातार अपने क्षेत्र में घूमते हैं। सैकड़ों लोग उनसे मिलने हर दिन आते हैं, जिनके चाय-पानी में बड़ी राशि व्यय होती है। यह राशि सरकार दे, इसमें आपत्ति नहीं है; पर राजनीति किसी के घर चलाने का एकमात्र साधन बन जाए, यह नितांत अनुचित है। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते ही हैं। लोग चुनाव हारते और जीतते रहते हैं। यदि राजनीति ही आजीविका का एकमात्र साधन होगी, तो चुनाव हारने पर व्यक्ति अपना घर कैसे चलाएगा ? यह बिल्कुल ऐसा ही है, जैसे किसी की नौकरी छूट जाए, या उसे व्यापार में घाटा हो जाए या खेती धोखा दे जाए। ऐसे में व्यक्ति अपने मित्रों, परिजनों या बैंक के कर्ज आदि से फिर काम को जमा लेता है; पर राजनीति में तो ऐसा सहयोग नहीं मिलता।

कितनों को मिलेंगे पद

एक दूसरे दृष्टिकोण से इसे देखें। यदि सब जन प्रतिनिधि युवा ही बन जाएं, तो भी कुल मिलाकर कितने युवा आजीविका पा सकेंगे। लोकसभा, राज्यसभा, देश भर की विधानसभा और विधान परिषद को मिला कर संभवतः 10,000 स्थान बनते होंगे। यदि इसमें जिला और नगर पंचायतों के प्रतिनिधि मिला लें, तो संख्या 25,000 होगी। यदि इसमें देश की पांच लाख ग्राम पंचायतें और जोड़ लें,

तो यह संख्या सवा पांच लाख हो जाएगी। यदि हर युवा राजनीति को ही आजीविका बनाने की सोच ले, तो शेष 40-45 करोड़ युवा क्या करेंगे ?

यह चस्का छूटता नहीं

कौन नहीं जानता कि राजनीति और चुनाव का चस्का एक बार लगने पर आसानी से छूटता नहीं है। व्यक्ति चाहे हारे या जीते; पर वह इस क्षेत्र में ही बना रहना चाहता है। आजकल राजनीति पूर्णकालिक काम हो गई है। इसमें अत्यधिक पैसा खर्च होता है, जिसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अन्य साधन अपनाता है। इसीलिए स्थानीय नेता प्रायः ठेकेदारी करते मिलते हैं। कई नेता एनजीओ चलाते हैं या फिर कोई और काम करते हैं।

सक्रियता का मतलब

इसका मतलब यह नहीं कि युवा पीढ़ी राजनीति से अलिप्त हो जाए, उसे देश के वर्तमान और भविष्य से कुछ मतलब ही न हो? यदि ऐसा हुआ, तो यह बहुत ही खतरनाक होगा। इसलिए उन्हें भी राजनीति में सक्रिय होना चाहिए, पर उनकी सक्रियता का अर्थ सतत जागरूकता है। ऐसा हर विषय, जो उनके आज और कल को प्रभावित करता है, उस पर वे अहिंसक आंदोलन कर देश, प्रदेश और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अपनी नीति और नीयत बदलने पर मजबूर कर दें। ऐसा होने पर हर दल और नेता दस बार सोचकर ही कोई निर्णय लेगा।

क्या हो उम्र

स्पष्ट है कि राजनीतिक सक्रियता का अर्थ चुनाव लड़ना नहीं, सामयिक विषयों पर जागरूक व आंदोलनरत रहना है। बहुत से लोगों के मतानुसार वोट देने की अवस्था भले ही 18 वर्ष कर दी गई हो, पर चुनाव लड़ने की अवस्था 50 वर्ष होनी चाहिए। जिसे नौकरी, खेती, कारोबार और अपना घर चलाने का ही अनुभव न हो, जिसने जीवन के उतार-चढ़ाव न देखें हों, वह अपने गांव, नगर, जिले, राज्य या देश को कैसे चला सकेगा ?

भारतीय जीवन प्रणाली

भारतीय जीवन प्रणाली में ब्रह्मचर्य और गृहस्थ के बाद 25 वर्ष का संन्यास आश्रम समाज सेवा को ही समर्पित है। इस समय तक व्यक्ति अपने अधिकांश घरेलू उत्तरदायित्वों से मुक्त हो जाता है। उसे दुनिया के हर तरह के अनुभव भी हो जाते हैं। काम-धंधे में नई पीढ़ी आगे आ जाती है।

यह हैं गलत रास्ते...

वो दिन गए जब रिलेशन में डेट करने और बातचीत का अपना एक अलग तरीका होता था, लेकिन आज के समय में रिलेशन के मायने कुछ बदल गए हैं। आज के युवाओं को रिलेशन में कुछ बातें बेहद ही गलत रास्ते की तरफ जा रही हैं। आज हम आपको रिलेशनशिप से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बता रहे हैं, जिन्हें कतई सही नहीं कहा जा सकता।

गलत कम्युनिकेशन

यूथ हमेशा रिलेशन में कम्युनिकेशन को लेकर उलझा रहता है। आजकल सोशल मीडिया, टेक्स्ट मैसेज, वॉट्सऐप मैसेज से ही ज्यादा बातें होती हैं। किसी भी रिलेशन में टेक्स्ट मैसेज करना और ई-मेल से बात करना गलत हो सकता है। आजकल के युवा सीधे तौर पर बात करने के बजाय सोशल साइट्स का यूज ज्यादा करते है और यह झगड़े की जड़ है, क्योंकि कई बार इनमें कई बातें क्लियर नहीं हो पाती। वहीं, आमने-सामने बातें करने पर कन्फ्यूजन और मिसअंडरस्टैंडिंग होने की आशंका कम होती है।

लुक को तवज्जो देना

कई लड़के-लड़कियां लुक को ज्यादा तवज्जो देते हैं। उनके लिए नेचर से ज्यादा लुक मैटर करता है। यह आज के युवाओं की सबसे बड़ी भूल हो सकती है। दरअसल, जो जैसा दिखता है, वो वैसे होता नहीं और यह जरूरी नहीं कि स्मार्ट दिखने वाले लोग ही रिलेशन में अच्छे साबित हो सकते हैं।

जल्दबाजी में होना

आज की युवा पीढ़ी हर काम जल्दी से जल्दी करना चाहती है। यूथ डेट पर जाने सिर्फ दो दिन पहले यह तय करते हैं। एक तरीके से यह सही भी है कि शायद तुरंत प्लान बनाने से चीजें उलझती न हो, लेकिन हर काम जल्दी करने की आदत बन जाती है। इससे परेशानी हो सकती है। साथ ही, जल्दीबाजी में बनता काम बिगड़ने की आशंका भी होती है। अपने पार्टनर के उतावलेपन से परेशान होकर रिश्ता तोड़ने का मन बना लेना कोई बड़ी बात नहीं।

प्यार में लस्ट पहले

मॉडर्न रिलेशनशिप लव नहीं, लस्ट के चारों तरफ ही घूमती है। आज की जनरेशन शायद भूल गयी कि प्यार और लस्ट में काफी अंतर है। कई बार प्यार के चक्कर में गलत काम कर देते हैं। इस बात को युवाओं को समझने की खास जरूरत है। अपने प्यार और विचारों को क्लियर रखें, ताकि किसी मुसीबत में न पड़ें। लस्ट के चक्कर में लव को खोना भी पड़ जाता है।

गलत इंटरप्रेटेशन

कुछ लड़के और लड़कियां रिलेशन में केयरलेस होते हैं और कोई खास इंटरेस्ट नहीं रखते। वहीं, अंतरंगता का सवाल हो तो जल्दीबाजी दिखाते हैं। अगर आपके रिलेशन में पार्टनर का व्यवहार ऐसा है तो रिलेशन से दूरी ही बनाना बेहतर है। कोशिश करें कि रिलेशन में किसी दूसरे पायदान पर न चढ़ें।

सोशल मीडिया का चस्का

आज युवाओं को सोशल मीडिया का ज्यादा ही चस्का लग चुका है। सोशल मीडिया पर फ्लर्ट करना, पर्सनल मैसेज करना, पिक्चर शेयर करना और कमेंट करना, जो हेल्दी रिलेशन के लिए गलत है। लड़के के द्वारा पिक्चर शेयर करने से लड़की के लिए दिक्कत हो सकती है। इसलिए सोशल साइट्स का यूज थोड़ा ध्यान से करें।

कमिटमेंट से डरना

आज के समय में ज्यादातर लड़के-लड़कियां कमिटमेंट करने से डरते हैं। उन्हें डर लगता है कि अगर कमिटमेंट कर दिया और शादी तक नहीं पहुंच पाए तो कैसे हैंडल करेंगे। अगर वाकई आप रिलेशन के कमिटमेंट को लेकर डर रहे हैं तो अच्छा है कि आप किसी रिलेशन में न रहें।

आइडिया ऑफ रोमांस

युवाओं को रोमांस के आइडियाज ज्यादा पसंद आते हैं। उन्हें जरूरी नहीं लगता कि पहले पार्टनर को समझे और तभी किसी रिलेशन को आगे लेकर जाएं। रिलेशन में होते ही सबसे पहले रोमांस दिमाग में आता है। आप ऐसी गलती न करें। रिलेशनशिप में अपना कम्फर्ट जोन देखें और कोशिश करें कि जब तक एक- दूसरे को अच्छे से समझ न जाएं, तब तक क्लोजनेस न बढ़ाएं।

प्रेरणा ही महान बनाती है...

जब हम प्रेरित होते हैं, तो हमारे विचार अपने सारे बंधन तोड़ देते हैं, हमारा मस्तिष्क सीमाओं को पार कर जाता है, हमारी संवेदनाएं सभी दिशाओं में फैल जाती हैं, हम अपने को पूरी तरह से एक नवीन, महान और चमत्कृत संसार में पाते हैं। सच कहा जाए, तो प्रेरणा हमारे अंदर उत्साह व स्फूर्ति की एक सरल अभिव्यक्ति है। यह वह अदृश्य ऊर्जा क्षेत्र है, जहां से चीजें प्रस्फुटित होती हैं। जब हम प्रेरित होते हैं, तब हमारी अद्भुत शक्तियां, क्षमताएं एवं प्रतिभाएं जागृत हो जाती हैं और फिर हम अपने आप को एक महान व्यक्ति के रूप में पाते हैं, जैसा कि हमने सपने में भी स्वयं को नहीं देखा होगा। वास्तव में, जब हम किसी कार्य को करने के लिए असीम ऊर्जा स्रोत से जुड़ जाते हैं, हमारा विश्वास और हमारी प्रत्येक गतिविधि को हमारे लक्ष्य की ओर उन्मुख कर देते हैं। दूसरी ओर, यदि हम अपने कार्य के प्रति प्रेरित नहीं हैं, तो वह हमारे लिए उबाऊ और बोझिल हो जाता है। हमारी ऊर्जा का स्तर गिरने लगता है और हम असफलता की ओर उन्मुख होते चले जाते हैं।

ऊर्जा स्रोत है प्रेरणा

वास्तव में प्रेरणा एक ऊर्जा स्रोत है तब भी हम अपने लक्ष्य या उपलब्धि के बारे में अनिश्चय की स्थिति में हों। यहां तक कि यह हमें अनजान व अज्ञात क्षेत्र की ओर भी ले जाकर सफल होने के लिए बाध्य करती है। वास्तव में उत्साह और स्फूर्ति में रहने का तात्पर्य सिर्फ लक्ष्य को हासिल कर लेना नहीं है, अपितु लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपनाए जाने वाले मार्ग एवं दिशाओं से भी है। यदि हम पूरी यात्रा के दौरान उत्साहित व प्रेरित रहते हैं, तो हम उस यात्रा के प्रत्येक क्षण का आनंद ले पाते हैं।

विचारों का बंधन तोड़ना

जब हम प्रेरित होते है, तो हमारे विचार अपने सारे बंधन तोड़ देते हैं, हमारा मस्तिष्क सीमाओं को पार कर जाता है, हमारी संवेदनाएं सभी दिशाओं में फैल जाती है, हम अपने आप को पूरी तरह से एक नवीन, महान और चमत्कृत संसार में पाते हैं। सोई हुई शक्तियां और प्रतिभाएं जागृत हो जाती हैं और हम अपने होने की परिकल्पना भी नहीं कर सकते थे। तदनुरूप हम इन प्रेरणा शक्तियों को अपने अंदर महसूस करते हैं और निरंतर उच्चता और अलौकिकता की ओर बढ़ते चले जाते हैं।

रोल मॉडल से प्रेरणा

हमारा रोल मॉडल हमेशा ही हमको प्रेरित करता रहता है। यह जरूरी नहीं कि आपका रोल मॉडल कोई बड़ी हस्ती ही हो। चूंकि रोल मॉडल वह होता है, जिसे देखकर आपको जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले और आप जब भी कमजोर महसूस करें, मात्र उसको देखते ही आप काफी मजबूती का एहसास कर सकें। देखा जाए तो रोल मॉडल एक नौकरानी भी हो सकती है, जो औरतों के लिए एक मिसाल होती है कि वह बिना पढ़े-लिखे भी काम कर रही है और कड़ी मेहनत करके अपने पैरों पर खड़ी है।

मंजिलें उसी की हैं

कई बार जब हम रोड पर जा रहे होते हैं, तो देखते हैं कि जिसके पैर नहीं है वह भी स्कूटर चला रहा होता है। तब हम सोचते हैं कि हमारे पास सब कुछ होते हुए भी हम उसको चलाने में डरते रहते हैं, जबकि जिसके पास कुछ खोने का डर नहीं है वह हमसे अधिक अच्छा है। तभी हम उससे प्रेरित होकर अपने डर को दूर करते हुए स्कूटी क्या गाड़ी और टैम्पो तक चलाने की हिम्मत जुटा लेते हैं। अधिकांशतः देखा गया है कि जो व्यक्तित कड़ी मेहनत और हिम्मत से ऊंचाइयों तक पहुंचा होता है, उसे ही लोग अपना रोल मॉडल बनाते हैं, लेकिन ये मंजिलें उसी की हैं।

अनुभव हैं खास :

किसी एक को अपना रोल मॉडल बनाकर न चलें, बल्कि जीवन में जो बीत रहा है उस अनुभव को अपना रोल मॉडल बनाएं और लक्ष्य प्राप्त करें। आपके अनुभव ही आपके रोल मॉडल हैं क्योंकि आप अपने अनुभवों से ही सबसे ज्यादा सीखते हैं। आपके अनुभव आपके जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने अनुभवों की अनदेखी न करें। जब आप के अनुभव आपके प्रेरणा स्रोत बनते हैं, तो आप में अनंत ऊर्जा का संचार करते हैं। आपका जीवन एक नई दिशा में बढ़ने लगता है और यह सकारात्मक दिशा जीवन में विजय दिलाती है। यही सच्ची विजय है और इसे क्षणिक नहीं कहा जा सकता।

माता-पिता को भुगतना पड़ेगा दंड

तंजानिया में बच्चों के स्कूल छोड़ने को रोकने के लिए सरकार ने एक अहम फैसला किया है। अब बच्चों को स्कूल नहीं भेजने पर उनके माता-पिता को दंड भुगतना होगा। साथ ही बच्चों की प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की शिक्षा को जनवरी से मुफ्त कर दिया जाएगा।

तंजानिया के अटार्नी जनरल जार्ज मसाजु ने बताया कि किसी भी कारण से बच्चों का स्कूल छुड़ाना अपराध होगा। इसे बच्चे को शिक्षा के मूल अधिकार से रोकना माना जाएगा। बच्चों को स्कूल भेजना वहां अनिवार्य है लेकिन इसके उल्लंघन पर अब तक अभिभावकों को दंड नहीं दिया गया। गरीब देश तंजानिया में कृषि कार्य में 80 फीसद लोग शामिल हैं। अधिक कमाई के लिए अक्सर बच्चों को खेती के काम या फल और सब्जियां बेचने में लगा दिया जाता है। लेकिन जनवरी से ऐसा नहीं हो पाएगा।

हालांकि स्कूल छुड़ाने वाले अभिभावकों को क्या दंड दिया जाएगा, अभी यह तय नहीं है। एक राजनीतिक टिप्पणीकार रेनाटस एमकिंगा के मुताबिक, विशेष कानून के तहत एक-दो लोगों को दंड मिलने के बाद बाकी लोगों में इसके उल्लंघन का संदेश जाएगा। साल 2002 में तंजानिया सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा को मुफ्त करने के बाद साल 2011 में सात से 13 साल के बच्चों का स्कूलों में नामांकन 94 फीसदी हो गया।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)